घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 162- मंगलवार 14- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा,11 की मौत

मृतकों में 3 महिलाएं,2 की हालत गंभीर,वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

महाराष्ट्र,13 अप्रैल 2026। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है।

तेज रफ्तार को दुर्घटना का संभावित कारण बताया जा रहा है

महाराष्ट्र पुलिस ने इस भयावह सड़क दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर, तेज रफ्तार को दुर्घटना का एक संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं किसी वाहन चालक की लापरवाही या तकनीकी खराबी तो इस बड़े हादसे की वजह नहीं बनी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भयावह था कि दुर्घटना के बाद लोगों को बचाने के लिए निकालने में दहशत का माहौल बन गया था। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग भी सहम गए थे।

कल्याण से मुरबाड के बीच चलती थी वैन

वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर जताया दुःख

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट कर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला,7 की मौत

राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे

गुजरात,13 अप्रैल 2026। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।

फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार : हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था। बाद में इसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के

लिए विरामगाम जा रहे थे। सभी लोग सड़क किनारे चल रहे थे। तभी लखतर-विरामगाम हाईवे पर फुल स्पीड में आ रहे एक ट्रक ने पीछे श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

पीएम ने हादसे पर दुःख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक जताते हुए ट्विटर हैंडल एक्स पर लिखा, 'गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में हुआ हादसा बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

भाजपा सरकार बनने पर बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार रुकेगा : शाह

आसनसोल,13 अप्रैल 2026। पश्चिम वर्धवान जिलान्तर्गत अंडाल क्षेत्र के खांद्रा फुटबॉल मैदान में सोमवार को आयोजित चुनावी जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। वे रानीगंज से भाजपा प्रत्याशी पार्थ घोष के समर्थन में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। सोमवार दोपहर करीब 2:25 बजे हेलिकॉप्टर से सभास्थल पहुंचने के बाद उन्होंने लगभग 25 मिनट तक भाषण दिया। अमित शाह ने कहा कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से तृणमूल कांग्रेस सरकार राज्य का विकास करने में विफल रही और बंगाल पीछे चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सिंडिकेट राज कायम है,जो कोयला, बालू समेत कई क्षेत्रों को नियंत्रित करता है और इसके कारण उद्योगपति राज्य छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने बिना नाम लिए 'भाईपो' पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा सरकार बनने पर सिंडिकेट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

जाएगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद राज्य में नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही रानीगंज मास्टर प्लान को लागू कर धंसान प्रभावित इलाकों को सुरक्षित बनाया जाएगा।

अमित शाह ने हिंदुओं पर कथित अत्याचार और घुसपैठ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हावड़ा, कालियाचक, मालदा, रिशड़ा और मुर्शिदाबाद जैसे इलाकों में दंगे हुए लेकिन सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे और हिंदुओं पर अत्याचार रोका जाएगा। घुसपैठ के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह राज्य की बड़ी समस्या है और तृणमूल सरकार इसे बढ़ावा दे रही है। घुसपैठिए राशन, जमीन और नौकरियों पर कब्जा कर रहे हैं। भाजपा सरकार बनने पर इन्हें चिन्हित कर बाहर किया जाएगा। सभा में उन्होंने विभिन्न योजनाओं का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने तीन हजार रुपये का भत्ता दिया जाएगा, जबकि किसानों को सालाना नौ हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक : प्रधानमंत्री मादी

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का लागू होना 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। यह अधिनियम न केवल महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को भी नई मजबूती देगा। प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन में 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है, जो अतीत के सपनों को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह निर्णय नारी शक्ति को समर्पित है और देश के विकास की यात्रा में महिलाओं की भूमिका अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के उदाहरण भी दिए। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री तक महत्वपूर्ण पदों पर महिलाएं कार्यरत हैं और उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है। इसके साथ ही उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को महिला नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश में 14 लाख से अधिक महिलाएं स्थानीय

सामाजिक न्याय सिर्फ नारा नहीं रहेगा : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, ''यह एक ऐसे समतामूलक भारत के निर्माण का संकल्प है, जहां सामाजिक न्याय सिर्फ नारा नहीं हो। लेकिन हमारी कार्यसंस्कृति, हमारी निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो। राज्यों की विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय 16, 17 और 18 अप्रैल है।'' उन्होंने आगे कहा, ''2023 में नई संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में प्रथम कदम उठाया था। वह समय से लागू हो सके, महिलाओं की भागीदारी हमारे लोकतंत्र को मजबूती दे, इसके लिए 16 अप्रैल से संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक का आयोजन होने जा रहा है।

निकायों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं और लगभग 21 राज्यों में पंचायतों में उनकी भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र की बड़ी उपलब्धि बताया। मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे,तब उन्हें एक ऐसी ग्राम पंचायत की महिलाओं से मिलने का अवसर मिला, जहां सभी सदस्य महिलाएं थीं। एक साधारण शिक्षित महिला प्रधान का यह लक्ष्य कि गांव में कोई गरीब न रहे,आज भी उन्हें प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से निर्णय प्रक्रिया में संवेदनशीलता आई है और इससे प्रशासनिक व्यवस्थाएं अधिक प्रभावी हुई हैं। यही कारण है कि सरकार ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि जनधन योजना के तहत 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोले गए,जिससे उन्हें वित्तीय प्रणाली से जोड़ा गया। इसके अलावा मुद्रा योजना के तहत 60 प्रतिशत से अधिक ऋण महिलाओं को दिए गए हैं, जिससे वे उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भी महिलाओं की मजबूत भागीदारी है और 42 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है।

पंचतत्व में विलीन हुईं आशा भोसले,बेटे ने दी मुखाग्नि

मुंबई,13 अप्रैल 2026। भारतीय संगीत की दिग्गज गायिका आशा भोसले सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। 92 वर्ष की आयु में रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका

निधन हो गया था। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक लोअर परेल स्थित उनके निवास'कासा ग्रांडे' में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने अपनी प्रिय 'आशा ताई' को फूलों की वर्षा कर भावभीनी विदाई दी। आशा भोसले का पार्थिव शरीर फूलों से सजी गाड़ी में शिवाजी पार्क ले जाया गया। गाड़ी को उनके पसंदीदा सफेद और पीले फूलों से सजाया गया था। उस पर उनकी एक बड़ी तस्वीर लगी थी। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर वाहन में रखा गया,पुलिस बैंड ने शोक धुन बजाकर उन्हें सम्मान दिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंतिम यात्रा शिवाजी पार्क पहुंची, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार के दौरान महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बेटे आनंद भोसले ने अपनी मां को मुखाग्नि दी। इस दौरान पूरा परिवार बेहद भावुक नजर आया। वहीं उनकी पोती जनई भोसले फूट-फूटकर रोती दिखीं।

ममता का भाजपा पर हमला..कहा.. बुलडोजर की राजनीति में विश्वास नहीं,जीत का जताया भरोसा

कोलकाता,13 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। चुनाव प्रचार में हर पार्टी अपनी पूरी ताकत झोक रही है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला है। बीरभूम जिले के सूरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह बुलडोजर राजनीति में विश्वास नहीं रखती हैं। ममता बनर्जी ने योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना कहा कि कल किसी ने यहां उत्तर प्रदेश की तरह बुलडोजर चलाने की बात कही थी। उन्होंने साफ किया कि वह नफरत या बुलडोजर नहीं, बल्कि प्यार के सिद्धांत में विश्वास करती हैं। दरअसल, एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन को खत्म करने के लिए यूपी मॉडल अपनाने की बात कही थी। ममता बनर्जी ने इसी का जवाब दिया है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नामांकन की जांच के दौरान चुनाव आयोग ने उन्हें चार घंटे तक परेशान किया।

बंगाल एसआईआर में जिनके नाम कटे,वे वोट नहीं देंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में उन वोटरों को मतदान करने की इजजात देने से इनकार कर दिया है जिनके नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान काट दिए गए हैं। ऐसे वोटरों के मामले अपीलीय ट्रिब्यूनलों के पास लंबित हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि अगर हम ऐसे वोटरों को वोट डालने की इजाजत देंगे तो उन लोगों के वोटिंग अधिकार छीनने होंगे जिनके नाम एसआईआर लिस्ट में शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि वोटिंग से 10 दिन पहले, इस स्टेज पर चुनाव प्रक्रिया में कोई दखल नहीं देंगे। सीजेआई ने कहा कि अगर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर ऐसे ही आपत्तियां आती रहीं, तो चुनाव कैसे होंगे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 11 अप्रैल तक 34 लाख से अधिक अपीलें दायर की जा चुकी हैं जिनपर फैसला आना बाकी है।

कोर्ट बोला- जीत के अंतर से ज्यादा वोटर वोट नहीं डाल पाए तो दखल देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा- मान लीजिए कि जीत का अंतर 2% है और 15% मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है।

कोर्ट बोला- जांच अधिकारियों से 100% सटीकता की उम्मीद नहीं कर सकते

जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में काम कर रहे न्यायिक अधिकारियों से भी जांच प्रक्रिया के दौरान कुछ गलतियां हुई होंगी। उन्होंने कहा- न्यायिक अधिकारियों से 100% सटीकता की उम्मीद नहीं की जा सकती, क्योंकि वे बहुत प्रेशर में काम कर रहे हैं। जस्टिस बागची ने कहा कि जब कोई अधिकारी रोज 1000 से ज्यादा दस्तावेजों की जांच करता है और समयसीमा भी कड़ी होती है, तो 70% सटीकता भी बेहतरीन मानी जाएगी। इसलिए एक मजबूत अपीलीय तंत्र जरूरी है।

कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी हम डरेंगे नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के बाद दर्ज हुई एफआईआर मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि सरमा अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए अपनी मुख्यमंत्री की सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने

मुख्यमंत्री की पत्नी पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार संचालन में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का राज संवैधानिक मूल्यों का आधार है। मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है।

सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सौ फीसदी एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि देश में किसी भी एलपीजी वितरक के यहां स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक मौजूद हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि पूरे देश में एलपीजी की घरेलू आपूर्ति सामान्य है। उन्होंने कहा कि घरेलू ग्राहकों के लिए एलपीजी सिलेंडरों की नियमित सप्लाई सुनिश्चित की गई है, अभी घरेलू एलपीजी सप्लाई पूरी तरह से सामान्य है। सुजाता शर्मा ने कहा कि किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास घरेलू रसोई गैस की कमी (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन बुकिंग का स्टेटस भी लगभग 99 फीसदी तक पहुंच गया है। इसके अलावा गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए ओटीपी-आधारित एलपीजी डिलीवरी सिस्टम लागू किया गया है। सुजाता शर्मा ने कहा कि इस प्रक्रिया में ओटीपी केवल ग्राहक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही भेजा जाता है।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन....350 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़,शोरूम के बाहर कारें फूंकी,150 गाड़ियां तोड़ीं

नोएडा,13 अप्रैल 2026। नोएडा में सोमवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सैकड़ों कर्मचारी हाथ में डंडे-लाठी लेकर सड़कों पर उतर आए। कर्मचारियों ने अलग-अलग इलाकों में 350 से ज्यादा फैक्ट्रियों में पथराव, तोड़फोड़ की। 150 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ और करीब 50 से ज्यादा फूंक दीं। पुलिस की गाड़ियां भी पलट दीं। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर दिया। फिर

पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं,वो रुकेंगे नहीं। कई कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। खास बात है कि इस प्रदर्शन का कोई चेहरा या लीडर नहीं था। 18 से 30 साल के युवा हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे। उधर, योगी सरकार ने जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाई है। सीएम ने कहा, औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ में है। सबसे पहले फेज-2 इलाके में हालात खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया। कर्मचारियों ने नोएडा सेक्टर-57 में 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। सेक्टर- 40 और 60 में कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में डिक्सन कंपनी का गेट तोड़ दिया। सेक्टर 1, 15, 62 और डीएनडी फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी।

संपादकीय

कूटनीति पर भारी पड़ी भरोसे की कमी

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता अविश्वास और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर गतिरोध के कारण विफल रही...अमेरिका परमाणु प्रगति रोकने पर जोर दे रहा था,जबकि ईरान प्रतिबंधों से राहत और व्यापक क्षेत्रीय समझौते चाहता था...

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान की वार्ता पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं,लेकिन इसके परिणाम सकारात्मक नहीं रहे। इस वार्ता का विफल होना राजनयिक कुप्रबंधन कम,बल्कि उस बुनियादी जड़ता को ही अधिक रेखांकित करता है,जो आज भी दोनों देशों के संबंधों को परिभाषित करती है। दोनों पक्षों के वरिष्ठ नेतृत्व की मौजूदगी और उच्चस्तरीय संपर्क के बीच यह वार्ता अतिवादी मांगों,गहरे अविश्वास और असंगत रणनीतिक दृष्टिकोण के बोझ तले दबी रही।

इस्लामाबाद वार्ता का परिणाम प्रक्रिया की विफलता नहीं,बल्कि गतिरोध से भरी उन परिस्थितियों का ही एक पूर्वानुमानित परिणाम रही, जिन परिस्थितियों को बदलने के लिए दोनों ही पक्षों में न तो कोई सक्षम दिख रहा था और न ही इसके लिए तैयार। इस गतिरोध का एक अहम पहलू है परमाणु हथियारों को लेकर ईरान का मोह। स्वाभाविक है कि ईरान यह मोह नहीं छोड़ना चाहता। वहीं अमेरिका का स्पष्ट रुख है कि ईरान को न केवल परमाणु मोर्चे पर हुई प्रगति को पीछे छोड़ना होगा, बल्कि उस तकनीकी क्षमता से भी वंचित होना पड़ेगा जो भविष्य में उसे परमाणु शक्ति से संपन्न करने में सहायक बने। परमाणु की यह पहेली ईरान के लिए उसकी संप्रभुता का सवाल बन गई है।

वार्ता के दायरे और महत्वाकांक्षाओं को लेकर उपजे मतभेदों ने भी इसे और जटिल बना दिया। अमेरिका जहां परमाणु प्रतिबंध और होर्मुज जलमार्ग में स्वतंत्र एवं मुक्त आवाजाही जैसे सीमित उद्देश्यों के साथ वार्ता की मेज पर आया,वहीं ईरान का एजेंडा कहीं अधिक व्यापक था। ईरान केवल तनाव घटाने की मांग के साथ ही सामने नहीं आया,बल्कि उसने पश्चिम के साथ अपने संबंधों के नए सिरे से संयोजन की मांग रखी। इस पुनर्संयोजन में प्रतिबंधों से राहत, जब्त की हुई परिसंपत्तियों तक निर्बाध पहुंच,हालिया सैन्य हमलों से हुए नुकसान की भरपाई का मुआवजा और एक व्यापक क्षेत्रीय युद्धविराम शामिल था,जिसमें हिजबुल्ला जैसे सहयोगियों के खिलाफ इजरायली सैन्य कार्रवाइयों पर रोक भी शामिल थी। वार्ता के इस ढांचे में मौजूद विसंगतियों ने पहले से ही सुनिश्चित कर दिया कि बात नहीं बनने वाली। जहां वाशिंगटन इसे एक तात्कालिक संकट के रूप में देखते हुए फौरी राहत पर जोर दे रहा था तो तेहरान को यह अपने समीकरणों को नए सिरे से तय करने का अवसर महसूस हुआ। यानी अमेरिका बस आग को बुझाना चाहता था और ईरान की मंशा अपने क्षतिग्रस्त भवन के नए सिरे से निर्माण की थी।

दोनों पक्षों के बीच होर्मुज जलमार्ग एक अहम बिंदु बन गया है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए इस जलमार्ग के माध्यम से ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करना एक रणनीतिक आवश्यकता है। इसीलिए वाशिंगटन का आग्रह रहा कि परस्पर विश्वास बहाली के लिए इसे तुरंत खोला जाए। जबकि तेहरान का जोर व्यापक समझौते को अमल में लाने पर था। देखा जाए तो ईरान ने अपनी अपेक्षाकृत कमजोर सैन्य ताकत और आर्थिक कमजोरियों के मुकाबले होर्मुज की भौगोलिक स्थिति को अपनी रणनीतिक ढाल के रूप में इस्तेमाल कर इस संघर्ष में संतुलन का प्रयास किया है। उसका संदेश स्पष्ट है कि ईरान के हितों को कुछ टुकड़ों में नहीं, बल्कि समग्रता में देखना होगा। इस संदर्भ में होर्मुज जलमार्ग एक सामुद्रिक परिवहन एवं ढुलाई से अधिक एक बड़ी भू-राजनीतिक सौदेबादी का औजार बन गया है।

14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर विशेष

क्या हम बना पाए डॉ.अंबेडकर के सपनों का न्यायपूर्ण भारत?

समानता का सपना और आज का भारत : कितना आगे बढ़े हम?

शिक्षा,संघर्ष और सम्मान : अंबेडकर के विचारों की आधुनिक प्रासंगिकता

कृति आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

नीले आकाश में लहराते झंडे, सड़कों पर उमड़ती भीड़ और स्मारकों पर पुष्पांजलि–हर वर्ष अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) का यह दृश्य राष्ट्रीय चेतना का उत्सव बन जाता है। लेकिन इस उत्सव के बीच एक गहरा प्रश्न खड़ा रहता है। क्या हम सच में उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं,जिसका सपना डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता, न्याय और सम्मान के आधार पर देखा था? आज विकास और तकनीक की प्रगति के बावजूद समाज में असमानता और अवसरों की दूरी क्यों बनी हुई है? यह विरोधाभास हमारी सामाजिक सच्चाई को उजागर करता है। अंबेडकर जयंती हमें श्रद्धांजलि से आगे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है–संविधान केवल दस्तावेज नहीं,बल्कि एक जीवित सामाजिक संकल्प है,जिसे हर पीढ़ी को अपने आचरण से साकार करना होता है। डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष,ज्ञान और आत्मसम्मान की एक प्रेरक गाथा है। ऐसे समाज में जन्म लेकर जहाँ पहचान जन्म से तय होती थी,उन्होंने शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाया। देश-विदेश के श्रेष्ठ विश्व विद्यालयों में अध्ययन कर उन्होंने साबित किया कि प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की सीमाओं में बंधी नहीं होती। उनका संघर्ष केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं था,बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती देने वाली बौद्धिक क्रांति था। उन्होंने जाति व्यवस्था को सामाजिक ढाँचे से अधिक मानव गरिमा पर आघात माना। आज भी आधुनिकता के इस दौर में भेदभाव के सूक्ष्म रूप उनके संघर्ष की याद दिलाते हैं। उनका जीवन स्पष्ट करता है कि परिवर्तन की शुरुआत विचारों से होती है, सुविधाओं से नहीं।

अंबेडकर का सबसे बड़ा योगदान भारतीय संविधान के निर्माण में उनके दूरदर्शी विचार हैं। वे केवल कानून निर्माता नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय के शिल्पकार थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजनीतिक लोकतंत्र तब तक अर्थहीन है जब तक सामाजिक लोकतंत्र स्थापित न हो। स्वतंत्रता,समानता और बंधुत्व केवल शब्द नहीं,बल्कि संतुलित समाज की नींव हैं। आज के भारत में डिजिटल क्रांति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच यह जरूरी है कि विकास का लाभ हर वर्ग तक समान रूप से पहुँचे। यदि सामाजिक असमानता बनी रहती है,तो संविधान की आत्मा अधूरी रह जाती है। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 1950 में था।
शिक्षा को लेकर अंबेडकर की सोच अत्यंत क्रांतिकारी और दूरदर्शी थी। उनके अनुसार शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं,बल्कि चेतना का विस्तार है। वे

मानते थे कि शिक्षित व्यक्ति ही अपने अधिकारों को पहचान सकता है और अन्याय का विरोध कर सकता है। आज जब भारत डिजिटल शिक्षा,ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब भी ग्रामीण और वंचित वर्ग की शिक्षा की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। शिक्षा का असमान वितरण उनके सपनों के भारत की राह में बड़ी बाधा है। उनका संदेश शिक्षित बनो,संगठित बनो,संघर्ष करो आज भी युवाओं के लिए केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन दर्शन होना चाहिए। शिक्षा ही वह शक्ति है जो अंधकार को प्रकाश में बदल सकती है।

महिलाओं के अधिकारों पर अंबेडकर का दृष्टिकोण अत्यंत प्रगति शील था। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति,विवाह और तलाक जैसे अधिकार दिलाने की मजबूत पैरवी की। उनका मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति तब तक संभव नहीं जब तक उसकी आधी आबादी स्वतंत्र और सशक्त न हो। आज महिला सशक्तिकरण, समान वेतन और नेतृत्व में भागीदारी की बात होती है, जिससे स्पष्ट है कि अंबेडकर का दृष्टिकोण समय से आगे था। उन्होंने श्रमिकों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए भी लगातार संघर्ष किया। उनका विचार था कि हर व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन और सम्मानजनक रोजगार मिलना चाहिए। यह सोच आज के आर्थिक विकास मॉडल को अधिक मानवीय बनाती है।

अंबेडकर ने सामाजिक न्याय को लोकतंत्र की आत्मा माना। उनके अनुसार समाज तब तक स्वस्थ नहीं हो सकता जब तक उसमें समान अवसर और सम्मान का भाव न हो। जाति आधारित असमानता को उन्होंने ग्रेडेड इनइक्वालिटी (स्तरबद्ध असमानता) कहा,जो समाज को भीतर से कमजोर करती है। आज के भारत में विविधता को शक्ति के रूप में स्वीकार करने का प्रयास उनके विचारों की आधुनिक व्याख्या है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह विविधता वास्तव में समानता में बदल पाई है? आज भी कई स्तरों पर भेदभाव और अवसरों की असमानता दिखाई देती है। अंबेडकर का संदेश स्पष्ट है–सच्चा लोकतंत्र वही है जहाँ अंतिम व्यक्ति भी समान अधिकारों के साथ खड़ा हो सके।

आज के भारत में जब हम वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहे हैं, तब अंबेडकर की विरासत और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। आर्थिक विकास,तकनीकी प्रगति और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव तभी सार्थक हैं जब आंतरिक समाज मजबूत और समान हो। उनका दृष्टिकोण केवल राजनीतिक सुधार तक सीमित नहीं था,बल्कि एक नैतिक समाज की स्थापना का था। युवाओं के लिए उनका संदेश आज भी मार्गदर्शक है कि परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं,बल्कि सोच से आता है। यदि नई पीढ़ी उनके विचारों को अपनाए,तो सामाजिक विभाजन कम किया जा सकता है। उनका सपना एक ऐसे भारत का था जहाँ हर व्यक्ति सम्मान और अवसर के साथ आगे बढ़ सके।

अंबेडकर जयंती इतिहास को दोहराने का नहीं,बल्कि भविष्य को दिशा देने का क्षण है। यह केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्मचेतना को जगाने वाली पुकार है। यह हमें कठघरे में खड़ा करता है–क्या हम उस भारत की रचना कर पा रहे हैं, जिसका स्वप्न समानता और न्याय पर आधारित था,या फिर हम केवल औपचारिक श्रद्धांजलि में उलझे हुए हैं? 2026 का भारत प्रगति की तेज धारा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन इस धारा को सभी तक समान रूप से पहुँचाना अभी भी सबसे बड़ी परीक्षा है। अंबेडकर का संदेश आज भी उतना ही तीखा और स्पष्ट है–समानता ही स्वतंत्रता की असली शर्त है। यदि उनके विचार केवल स्मृति नहीं, बल्कि व्यवहार बन जाएँ, तो एक न्यायपूर्ण और सशक्त भारत कोई सपना नहीं रहेगा,बल्कि वास्तविकता बन जाएगा।

पुस्तक चर्चा

सरगुजिहा बोली का प्रथम महाकाव्य

राम हनुमान गोठ,अर्थात सरगुजिहा छत्तीसगढ़ी रमायन

समीक्षक
डॉ. सुदामा मिश्र

श्री बंशीधर लाल जो सामान्यतः बी0डी0लाल के में संबोधित किये जाते हैं वैसे तो हिन्दी के व्याख्याता के रूप में शासकीय विद्यालयों में सेवा किये और हिन्दी में अनेक पुस्तकों - का लेखन किये हैं और अभी भी कर रहे हैं परन्तु पुस्तक के रूप में उनकी प्रथम कृति सन् 2010 में सरगुजा की आतुर बोली में -राम हनुमान गोठ- के रूप में प्रकाश में आयी।
यह बड़े हर्ष की बात है कि उपेक्षित बोली को एक पहचान दिलाने का इस स्तर पर श्री लाल ने प्रयास किया है। इसमें राम की कथा जन्म से लेकर लंका विजय के पश्चात् अयोध्या वापस आना और राज्य का दायित्व स्वीकार करना अंकित है। पुस्तक में राम के जीवन की प्रमुख घटनाओं को उपशीर्षकों में उल्लेखित कर सरल-सुवोध बनाने प्रयास किया गया है जैसे-
रामजनम अड लरिकाई,राम बिहाव
राम वनवास,सीता कर खोज-राम हनुमान भेट आदि उनको भी अलग-अलग घटनाओं के आधार पर प्रस्तुत किया गया है जिसे सामान्य जन भी समझ सकते हैं। लेखक ने अपने परिचयात्मक आलेख-चिन्हारी वर-में स्पष्ट किया है कि-सरगुजा छत्तीसगढ़ में प्रचलित प्रतीकों के माध्यम से सब कुछ कहा गया है। यह इस तथ्य को उजागर करता है कि इस लोक बोली में भी ऐसी सामर्थ्य है जो गूढ़ विषय की अभिव्यक्ति सरसता के साथ कर सकती है।
भारतीय काव्य शास्त्र परम्परा में महाकाव्य के कुछ मानक स्वीकृत हैं, उसका निर्वाह कितना किया है उसका स्पष्टीकरण करते हुए कवि ने लिखा है कि -
अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि और राम कथा का सर्वमान्य ग्रंथ ''मानस'' का गहरा प्रभाव कलापक्ष पर है। बिन्दुवार यदि विवेचन किया जाय तो महाकाव्य के स्वरूप स्पष्ट उजागर होंगे।
(1) राम की पावन गाथा भारतीय समाज ही नहीं अविरल धरा पर सर्वमान्य है जो शुभ संदेश परक है।
2) इसके पात्र सर्वोच्च मानवीय गुण सम्पन्न है।
3) कथा का श्रीगणेश वन्दना- ''सुमिरनी'' से होता है-

ग गनेश का सुमिरन करिके
गोठ राम कर गाऊँ
और हनुमान जी को सुमिरते हुए कवि कहता है
हनुमान तोर गोठ राम संग
सुर तो बहुत सोहाथे,
लकड़ा कर चटनी संग जइसे
बासी गजब मिठाथे।

इसमें सरगुजा अंचल में प्रसारित प्रतीकों का बड़ा ही मधुर समन्वय है।
(4) रचना का समापन सुखान्त है जैसा कि भारतीय बांगमय में अपेक्षा की जाती है।
(5) घटनाक्रम के आधार पर, जहाँ अलग-अलग वर्णन हुआ है वहाँ कथा क्रम में कहीं टूटन नजर नही आती है। स्थान-स्थान पर छन्द विधान में परिवर्तन भी दिखायी देता है।
(6) आपसी संवाद की रोचक बने हैं चाहे विषय वस्तु कैसी भी हो जैसे मंथरा-कैकेयी संवाद,महाराज - कैकेयी संवाद, केक्ट-राम संवाद आदि।
(7) नगर वर्णन, याज्ञा वर्णन प्रकृति चित्रण आदमी स्थान स्थान पर किये गये हैं। इस क्रम में विभिन्न रसों का परिपाक विषयानुसार दिखायी देता है। सूक्ष्म मनोभाव का स्थान-स्थान पर चित्रण आकर्षक है। जब राम-लक्ष्मण विश्वामित्र जी के साथ जनकपुर हेतु प्रस्थान करते हैं तो राम का मनोभाव अद्भुत रूप में प्रस्तुत किया गया है-

''राम-लखन चले सिया कर गाँव,
हालू हालू उठतई पाँव
मन मा फुरहरी,
तन मा सुरहरी
शिव शंकर कर भजते नांव।''

(8) तीन गुण हो यो तीन शब्द शक्तियाँ, शब्दालंकार हो या अर्थालंकार स्थान-स्थान पर स्वाभाविक रूप में मिलते हैं कहीं बोझ रूप में नहीं मिलते हैं। घायल हनुमान जब अयोध्या में भरत को अपना परिचय देते हैं तो इतना सरल-सटीक और रोचक है कि पाठक मुग्ध हो कर हनुमान के बुद्धिचातुर्य का कायल हो जाता है।
(9) जिन गुणों के लिये रामचन्द्र जी का परिवार समाज में आदर्श रूप में स्वीकृत है उनका निर्वाह इस ग्रंथ में किया गया है ऐसा कहा जा सकता है। सीता जी,लक्ष्मण जी,मत-शत्रुध्नजी सबके चरित्र से रामराज्य की स्थापना में योगदान की पुष्टि होती है।

यह एक लघुकाय महाकारण है। इसमें सर्गों के हुप में विभाजन नहीं किया है जैसा कि माना जाता है कि कम से कम आठ सर्ग होने चाहिए। वास्तव में सर्ग घटनाक्रम को समझते में सहायक होते हैं ऐसे में इस ग्रंथ में किये गये विभाजन उसका स्थान स्वतः, पाते हैं। छन्द विधान का भी एकं निर्धारित रूप में निर्वहण नहीं किया गया है लेकिन विषय वस्तु पर

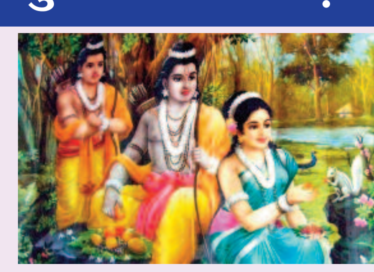

प्रकाश डालने में प्रत्येक छंद स्वाभाविकः प्रतीत होते हैं।

सरगुजा आदिवासी अंचल का प्रतिनिधित्व करता है। कवि ने आदिवासियों द्वारा गाये जाने वाली धुन पर भी एक छन्द रच दिया है जैसे

सोनकर लंका ले - सोनकर मिरगा
निकलिस रेंगिस - सोन कर मिरगा
पंचवटी पहुँचिस - सोन कर मिरगा
सिया ला लुभाइस - लोन कर मिरगा ।

यद्यपि घोषित रूप में छन्द विधान और राग-रागिनियाँ नहीं मिलती हैं परन्तु संपूर्ण रचना गेय है। सामान्य पाठक भी अपनी धुन में इसे पिरो सकता है और काव्यानन्द का अनुभव कर सकता है।''स्वान्तः सुखाय रघुनाथ गाथा'' का यह काव्य जीता-जागता प्रमाण है। पाठक कही भी बोझिल मन नहीं होगा ऐसा कहा जा सकता है।

श्री लाल वर्षों से रचना कर रहे हैं, प्रसारण और स्फुट प्रकाशन होता रहता है लेकिन पुस्तक के (रूप में पहली रचना महाकाव्य के रूप में प्रकाशित होना बड़ी ही प्रशंसा का आधार है। जैसा कि श्री लाल ने ''चिन्हारी वर''आलेख में अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि बतायी है उसमें इस प्रकार की अभिव्यक्ति स्वाभाविक लगती है और प्रशंसनीय है। साथ ही इस पुस्तक में स्थानीय परम्पराओं और प्रतीकों का राजसी वैभव के साथ अद्भुत समन्वय मिलता है। जैसे बच्चों के जन्मोत्सव में स्थानीय परम्पराओं का पालन करते हुए दिखाया गया है,छठी का आयोजन, उसमें महिलाओं को नाखून काटना, केश सँगरना, महावर-आलत्मक लगाना,काँके पीना सभी स्थानीय परम्पराओं की ओर इंगित करते हैं। इसी प्रकार विवाह के आयोजन हेतु मंडव निर्माण में स्थानीय सामग्री का उपयोग करते हुए राजसी वैभव का प्रदर्शन जैसे :-

सरई झाडू कर हरियर डहुरा
सुग्घर मड़वा बनावे
हीरा मोती लाल जगहर
गुहि कर सान बढ़ाये।

इसी प्रकार स्थानीय व्यंजनों का भी यथा स्थान उल्लेख मिलता है। जब सीता जी की विदायी हो जाती है तो उनके साथ जो भेट सामग्री चलती है उसके प्रति कवि स्वर बहुत ही मधुर निकलता है- दृष्टया है-

भार उठाये दाइज कर
कमिया, भरिहा आगू-आगू
चारो वहिनिन सेवा खातिर
रोताइन बरगाहिन पीहूं।
और- ख्वाजा खड़पुडिया, खुरमा
सतरंगी मेरे अनरसा
झाँपी झाँपा दौरी कुण्डा
लेडुआ अउर बतासा
बुनिया माठ ठोकआ ठुरिया
देखि के टपके लार

इस तरह कवि ने अपने इस काव्य में लोक रीतियों और परम्पराओं का उल्लेख कर आम जनों को आकृष्ट करने का सफल प्रयास किया है। पाठक इसमें अपनत्व पाता है।.
जैसा लोक प्रचलित है कि महाराज दशरथ ने एक यज्ञ कराया जिसमें अग्रेदेव ने स्वयं प्रगट हो प्रसाद रूप में हवि (खीर) उपलब्ध कराया जिसके सेवन के पश्चात रामलक्ष्मण चारो भाई का जन्म हुआ। वास्तव में वह एक वैज्ञानिक प्रयोग दवा निर्माण के लिये था जिससे गर्भ सुरक्षित रहे। हमारे यहाँ के

रचयिता-वंशीधर लाल
सेवानिवृत्त सहायक,प्राध्यापक
अम्बिकापुर,छत्तीसगढ़

सारे कृत्य जो आज विज्ञान की कसौटी पर खरे उतर रहे हैं उनकी सफलता निर्विध्न बनाये रखने के लिये पूजन-यापन से जोड़ दिया गया था। शादी-विवाह में मंत्रोच्चार आदि ईश्वर को साक्षी मानकर उच्चरित होते हैं और इस ग्रंथ में भी उसका विवरण मिलता है जो इस काव्य को लोकरूचि के अनुरूप है।

कवि श्री लाल ने जनकपुर की वाटिका, अशोक वाटिका = की भूमिका से पर्यावरण की महत्ता पुष्ट कर दिया है जहाँ सीता जी का प्रेम भाव जन्म लिया और परीक्षा देने में भी सफ्ल हुआ। इसी प्रकार भगवान राम ने शबरी और अहल्या के प्रति जो आत्मीयता दिखायी वह इस बात का संकेत करता है कि जीवन में निकट से निकट जुड़ने में ही सफलता है आनंद है।
ऐसी घटनायें इस काव्य को मानवीय भावनाओ को पुष्ट करने वाली सिद्ध होती हैं जो एक आदर्श रचना का उद्देश्य होता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तुलसीदास जी का कथन-

'' मासा मनिति मृति भक्ति सोई-
सुरसरि सम सब कर हित होई।''

इस लघुकायूँ महाकाय को भी जन रंजक की कसौटी पर खरा उतरता है।
इति शुभम्

गर्मियों का अमृत फल : खरबूजा और तरबूज के अद्भुत फायदे!

-सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम,मध्यप्रदेश-

गर्मियों का मौसम अपने साथ तेज धूप, पसीना और शरीर में पानी की कमी जैसी समस्याएं लेकर आता है। ऐसे में प्रकृति ने हमें कुछ ऐसे फल दिए हैं,जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को पोषण भी प्रदान करते हैं। खरबूजा और तरबूज ऐसे ही दो महत्वपूर्ण फल हैं,जिन्हें गर्मियों का वरदान कहा जा सकता है। इन फलों में लगभग 90 से 92 प्रतिशत तक पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में अहम भूमिका निभाता है।

सबसे पहले बात करें तरबूज की, तो इसमें मौजूद सिट्रूलाइन नामक तत्व शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक होता है। यह तत्व फैट बनाने वाली कोशिकाओं की सक्रियता को कम करता है, जिससे वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा,यह कम कैलोरी वाला फल है,जो डाइटिंग करने वालों के लिए एक आदर्श विकल्प है।

दिल की सेहत के लिए भी तरबूज अत्यंत लाभकारी है। इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है,जो हृदय रोगों के खतरे को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करता है और

हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है।
त्वचा की सुंदरता बनाए रखने में भी तरबूज महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें मौजूद पानी, फ्लेवोनॉयड्स और कैरोटेनॉयड्स त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं, जिससे त्वचा में निखार आता है और झुर्रियों जैसी समस्याएं देर से होती हैं। यह प्राकृतिक रूप से त्वचा को जवान बनाए रखने में सहायक है।

खरबूजा भी पोषण के मामले में किसी से कम नहीं है। इसमें विटामिन, और ष्ट की भरपूर मात्रा होती है,जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है। विटामिन ए आंखों की रोशनी के लिए जरूरी है,जबकि विटामिन सी त्वचा और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

खरबूजे में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है,जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है और आंतों को स्वस्थ बनाए रखता है। साथ ही, इसमें प्राकृतिक शर्करा होती है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है।

किडनी और लिवर के लिए भी ये दोनों फल फायदेमंद हैं। तरबूज मूत्र के प्रवाह को संतुलित करता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। वहीं,खरबूजा शरीर को ठंडक प्रदान करता है और डिटॉक्सिफिकेशन की प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के लिए भी ये फल उपयोगी हैं। पोटेशियम से भरपूर होने के कारण ये मांसपेशियों में ऐंठन को रोकते हैं और शरीर की कार्यप्रणाली को संतुलित बनाए रखते हैं। खेलकूद या अधिक शारीरिक श्रम करने वालों के लिए इनका सेवन विशेष रूप से लाभकारी होता है।

इसके अलावा, आधुनिक शोधों के अनुसार तरबूज में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स शरीर में सूजन को कम करने और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को घटाने में भी सहायक हो सकते हैं। वहीं खरबूजा शरीर के तापमान को नियंत्रित रखता है, जिससे लू लगने का खतरा कम हो जाता है।

कहा जा सकता है कि खरबूजा और तरबूज केवल स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि गर्मियों में सेहत के लिए एक संपूर्ण पैकेज हैं। नियमित रूप से इनका सेवन शरीर को ताजगी, ऊर्जा और सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए इस गर्मी में इन फलों को अपनी दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ जीवन का आनंद लें।

अनमोल वचन

आज का संघर्ष
जितना ज़्यादा होगा
कल सफ़लता भी
उतनी ही अच्छी
मिलेगी।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

सरगुजा में बड़ा सीएलएफ घोटाला! 23 लाख 60 हजार रुपये की हेरा-फेरी का आरोप...

जय मां भारती क्लस्टर संगठन,उदयपुर ब्लॉक के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को दी शिकायत

लेखापाल सविता सिंह और एरिया कॉर्डिनेटर जूही सबा पर गंभीर आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जय मां भारती क्लस्टर संगठन, उदयपुर ब्लॉक (सरगुजा) के अध्यक्ष,सचिव और कोषाध्यक्ष ने जिला कलेक्टर महोदय को लिखित शिकायत पत्र सौंपा है। शिकायत में क्लस्टर लेखापाल सविता सिंह और एरिया कोऑर्डिनेटर जूही सबा पर सीएलएफ खाते से 23,60,360 रुपये की वित्तीय हेरा-फेरी का गंभीर आरोप लगाया गया है।

मुख्य आरोप:19 मार्च 2026 को सीएलएफ बैठक में कैडर सदस्यों द्वारा हिसाब-किताब मांगे जाने पर ए. सी. जूही सबा और लेखापाल सविता सिंह ने मात्र तीन दिन का समय मांगा था,लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया। सीएलएफ के रजिस्टर,बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेज जांच के लिए मांगे जाने पर देने से इनकार कर दिया गया। पदाधिकारियों को गुमराह करके सीएलएफ खाते से

अनियमित निकासी की गई। सीएलएफ की सील आरोपीयों ने अपने पास रख ली है। कैडर सदस्यों के मानदेय की कटौती करके सविता सिंह और रीना सिंह के बैंक खातों में जमा कर निकासी की गई। लेखापाल सविता सिंह ने कोषाध्यक्ष के खाते से जूही सबा के नाम 1,50,000 रुपये (एक लाख पचास हजार) ट्रांसफर करवाए। जब जिला स्तर से जांच टीम विजिट पर आई तो ए.सी.जूही मैडम ने 'मैंने पैसा नहीं लिया' कहकर पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया।

पदाधिकारियों की मांग

- सविता सिंह, रीना सिंह और जूही सबा के सभी बैंक खातों का तुरंत निरीक्षण कराया जाए।
- पूरे मामले का लेखा परीक्षण कर गबन की गई राशि की पूरी वसूली की जाए।
- दोषी लेखापाल और एसी को उदयपुर ब्लॉक से तत्काल हटाया जाए।
- नियम-विरुद्ध कार्य करवाने के लिए उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।
- शिकायत पत्र पर समीटा सिंह (अध्यक्ष), मीना गोमती (सचिव) और कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर हैं। प्रतिलिपि जिला सीईओ, जनपद सीईओ को भी भेजी गई है।
- पदाधिकारियों ने कहा...'गरीब महिलाओं की मेहनत की कमाई और सीएलएफ का पैसा लूटा जा रहा है। प्रशासन से सख्त और तुरंत कार्रवाई की मांग है। '

(प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

वाड्रफनगर थाना क्षेत्र के भगवानपुर के पास अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसमें दूसरे युवक की मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई।

जानकारी के अनुसार अजय कुशवाहा पिता श्याम कार्तिक उम्र 19 वर्ष ग्राम पोखरा थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर का रहने वाला था। अजय वाड्रफनगर निवासी लखन विश्वकर्मा के यहां रहकर काम करता था। 12 अप्रैल को अजय, धर्मेन्द्र व श्याम सांडिल तीनों एक बाइक में सवार होकर घूमने निकले थे।

भगवानपुर के पास अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में धर्मेन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अजय व श्याम को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां अजय की स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसक भी मृत घोषित कर दिया।

हादसे में पति की मौत पत्नी घायल

बलरामपुर जिले के ग्राम सन्नाडीह मेन रोड में चार पहिया वाहन ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में पति की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार तिनोथी समठ पिता रामदेव समठ उम्र 42 वर्ष बलरामपुर जिले के ग्राम सौनी का रहने वाला था। 12 अप्रैल को पत्नी शनिचरी के साथ बाइक से ग्राम रूनियाडीह से घर जा रहा था। रास्ते में सन्नाडीह मेन रोड में चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टर ने तिनोथी की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

संभाग में संलग्न चिकित्सकों व कर्मियों की अटैचमेंट खत्म

स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के बाद सभी जिलों ने भेजा प्रमाण पत्र....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत अपनी मूल पदस्थापना से अन्यत्र संलग्न चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों की अटैचमेंट समाप्त कर दी गई है। इस संबंध में संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ.अनिल कुमार शुक्ला द्वारा सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए थे। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री द्वारा विधानसभा में संलग्नीकरण समाप्त करने की घोषणा के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके तहत संभाग के सभी जिलों को तत्काल प्रभाव से ऐसे चिकित्सक और कर्मियों की अटैचमेंट समाप्त करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देश के पालन में सरगुजा संभाग के सभी जिलों के सीएमएचओ ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए संलग्नीकरण समाप्त कर दिए हैं। साथ ही, इसकी पुष्टि करते हुए प्रमाण पत्र आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं नवा रायपुर अटल नगर को भेज दिए गए हैं। संभागीय कार्यालय द्वारा संलग्नीकरण समाप्ति की कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों से प्रमाण पत्र मांगे गए थे। अब सभी जिलों से रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है,जिससे यह प्रक्रिया पूरी मानी जा रही है।

जिले में 02 सरपंच एवं 70 पंचों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ

20 अप्रैल तक प्राप्त किए जाएंगे दावा आपत्ती

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 हेतु जिले में 02 सरपंच एवं 70 पंच के पद रिक्त है। रिक्त पदों की पूर्ति हेतु निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ है। जनपद पंचायत अम्बिकापुर के 09 ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत लखनपुर के 13 ग्राम पंचायत,जनपद पंचायत उदयपुर के 03 ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत बतौली के 04 ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत लुण्ड्रा के 10 ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत सीतापुर के 02 ग्राम पंचायत सहित कुल 41 ग्राम पंचायतों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने कार्यालय एवं संबंधित ग्राम पंचायत में प्राधिकृत कर्मचारी के माध्यम से 13 अप्रैल 2026 को कराया जाकर दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2026 अपरान्ह 03:00 बजे तक निर्धारित है।

'गीता ज्ञान की कमी के कारण लोग दुनिया में है दुखी'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा 12 अप्रैल सप्त दिवसीय श्रीमद भगवत गीता ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम दिवस पर अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भाजपा भारत सिंह सिसोदिया,सीईओ विनय अग्रवाल,पूर्व पार्षद नगर निगम अंबिकापुर करता राम गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, मुख्य वक्ता के रूप में योग शक्ति गीता दीदी,ब्रह्माकुमारी संचालिका सरगुजा संभाग बीके विद्या दीदी द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सप्त दिवसीय श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश शिवनी से पधारी योग शक्ति गीता दीदी द्वारा आधुनिक महाभारत को विस्तार पूर्वक स्पष्ट करते हुए कहा कि इस दुनिया में दुःखी होने जैसी कोई चीज नहीं है लेकिन फिर भी हम दुखी है तो बस गीता ज्ञान की कमी के कारण। आज हर मनुष्य किसी न किसी व्यथा में है। कर्म में ही ताकत होती है जो आपको सुखी कर देता है या दुखी कर देता है। उन्होंने राजा परीक्षित का उदाहरण देते हुए कहा कि इस गीता ज्ञान को 7 दिन तक हम रोज आत्मसात कर अंदर की दैवीय प्रवृत्ति को बढ़ाकर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारे अंदर की बुराइयां ऑटोमेटिक बाहर निकल जाएंगे। गीता ज्ञान हमें सिखाती है की परिस्थिति सबके बीच आती है मगर ज्ञानी व्यक्ति अपने समझ से हर परिस्थिति को सहज पार कर लेता है और मूर्ख व्यक्ति रो-रो कर करता है। आधुनिक महाभारत काल अर्थात आज पूरा संसार युद्ध का मैदान बन चुका है अज्ञानता का पर्दा हमारी बुद्धि के सामने आ जाता है तो न्याय -अन्याय, धर्म-अधर्म की समझ हमारे पास नहीं होती जिस कारण भगवान आकर जो सच्ची गीता का पाठ पढ़ा रहे हैं वह हमारे समझ में नहीं आती और हम भगवान को नहीं पहचान पाते। यह सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ हमारे अंदर चल रहे द्वंद्व को मिटाने के लिए है। ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी द्वारा सात दिवसीय श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम रखने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि जिस प्रकार कुरुक्षेत्र में छिड़े युद्ध के दौरान अर्जुन के मन में चल रहे अवसाद के समय स्वयं भगवान ने अर्जुन को गीता का ज्ञान देकर उन्हें नष्टोंमोहा बनाया इस प्रकार हमारे अंदर भी युद्ध चल रहा है पूरा संसार डिप्रेशन,तनाव व परेशानी का वातावरण बन चुका है ऐसे समय में अपने जीवन को सकारात्मक, खुशनुमा बनाने के लिए यह गीता ज्ञान हम सबकी आवश्यकता बन चुकी है। भारत सिंह सिंसोदिया ने कहा कि या सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ में हर दिन अलग-अलग विषय पर चर्चा होनी है जो हम सब को रोज नयी नयी सीख देगी। विनय अग्रवाल ने कहा गीता ज्ञान यज्ञ एक बहुत ही पवित्र अनुष्ठान है जिस पर हम सबको सात दिन तक समर्पणता की आहुति देना है। अनिल सिंह मेजर ने भी कार्यक्रम में कहा कि यह सात दिवसीय गीता ज्ञान लेंगे तो निश्चित ही इस लड़ाई को लडने में सक्षम हो विजयी बनेंगे। यह गीता ज्ञान अर्थात धार्मिक ग्रंथ जैसे पुस्तकों को अपने बच्चों को भी अवश्य पढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित करता राम गुप्ता ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में बीके रेखा ने स्वागत गीत गया और अदिति व परी ने स्वागत डांस प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में 500 से भी अधिक भाई-बहनें उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम प्रतिदिन अलग-अलग विषय पर 18 अप्रैल तक शाम 5 बजे से 7 बजे तक चलेगा। सुबह 6 से ब्रह्माकुमारी गीता दीदी द्वारा म्यूजिकल एक्सरसाइज एवं मेडिटेशन भी कराया जाएगा।

साड़ी खरीदी में घोटाले का आरोप,महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु साड़ी खरीद में हुए घोटाले का आरोप लगाकर महिला कांग्रेस सरगुजा ने सोमवार को शहर के घड़ी चौक महिला एवं बल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस का यह आरोप है कि 1.94 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए साड़ी खरीद में 9.7 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया है। खादी ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से की गई खरीद में गुणवत्ता हीन साडियों की खरीद की गई है। 5.5 से 6.3 मीटर की साडियों की जगह 5 मीटर की साड़ी की आपूर्ति की गई है। बाजार में 200-250 रुपए में मिलने वाली साडियों की कीमत 500 रुपए बता कर उनकी आपूर्ति की गई है। इसके पहले पेटियों की सप्लाई और खेल सामग्री की सप्लाई में 40 करोड़ के घोटालों का आरोप मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पर लग चुके हैं। महिला कांग्रेस की

शहर अध्यक्ष सीमा सोनी एवं महिला कांग्रेस की ग्रामीण अध्यक्ष अनिमा केरकेट्टा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने साड़ी चोरी बंद करो के नारे के साथ लक्ष्मी राजवाड़े के खिलाफ प्रदर्शन किया। सीमा सोनी ने महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के इस्तीफे की मांग के साथ यह कहा कि एक महिला होने के बावजूद उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ऐसी साड़ी सप्लाई कर दी है जो पोंछा लगाने के लायक भी नहीं है। उन्होंने कहा कि साड़ी इतनी छोटी है कि उसमें आवरण के लिए पल्लू भी पूरा नहीं पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह मांग की कि महिला बाल विकास मंत्री को बर्खास्त करने के साथ ही साथ इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। अनिमा केरकेट्टा ने कहा कि हमे शर्मिंदगी है कि महिला बल विकास मंत्री सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जबसे लक्ष्मी राजवाड़े ने महिला बाल विकास मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है वो लगातार घोटालों के आरोप के साथ ही पद के गलत इस्तेमाल के आरोप से घीरी हुई हैं। इस दौरान संध्या रवानी,गीता प्रजापति, निमन राशि एक्का,रूही गजाला,पूर्णिमा सिंह,हीरो बड़ा, मालती सिंह,प्रीति सिंह,सरला राय, संगीता मिंज,चित्रा मिश्रा,रूबी जैन,मोमिना,अनुराधा सिंह,अंजू,ममता सिंह,एंजेला केरकेट्टा, सपना सिंह, अनिता सिन्हा,रश्मी सोनी,रंजू सिंह,एलिना आदि मौजूद थे।

जिला चिकित्सालय जशपुर के ड्रेसर श्री किशोर कुमार चौहान तत्काल प्रभाव से निलंबित'

चिकित्सा प्रतिपूर्ति पास किये जाने के एवज में रुपये लिये जाने के मामले में की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
जशपुरनगर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिला चिकित्सालय जशपुर के ड्रेसर श्री किशोर कुमार चौहान को चिकित्सा प्रतिपूर्ति पास किये जाने के एवज में रुपये लिये जाने के संबंध में स्पष्ट वीडियो सहित समाचार प्रसारित होने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में श्री चौहान का मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पत्थलगांव निर्धारित किया गया है। उन्हें निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। विदित हो कि 09 अप्रैल 2026 को सोशल मिडिया में चिकित्सा प्रतिपूर्ति पास किये जाने के एवज में ड्रेसर श्री किशोर कुमार चौहान के द्वारा रूपये लिये जाने के संबंध में स्पष्ट विडियो

सहित समाचार प्रसारित हो हुए हैं, जोकि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विपरीत और गंभीर कदाचरण श्रेणी में आता है। उक्त कृत्य के लिए सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण, अपील) नियम 1966 के नियम -9 के तहत् श्री किशोर कुमार चौहान, ड्रेसर, जिला चिकित्सालय को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

शराब पीने के लिए आदतन आरोपियों के द्वारा ढाबे के काउंटर में बैठी महिला से रुपए की मांग करने वाले आरोपी भेजा गया जेल...

-संवाददाता-
बलरामपुर13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत बारियों चौकी क्षेत्र ग्राम बघीमा स्थित ढाबे में काउंटर में बैठी महिला से आदतन आरोपीयो के द्वारा धमकाकर शराब पीने के लिए पैसे की मांग की गई थी, सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे। आकाश पांडे उर्फ शशि उर्फ ललला पिता भृगुनंदन पांडेय निवासी बघिमा चौकी बरियों थाना राजपुर, विक्रम श्रीवास्तव पिता विजय श्रीवास्तव निवासी चाची मोड़ चौकी बरियों थाना राजपुर, जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ जानकारी के अनुसार दिनांक 11/04/2026 को शाम को बारियों चौकी क्षेत्र का निगरानी बदमास आकाश पांडे और उसका साथी विक्रम श्रीवास्तव के द्वारा बरियों चौकी क्षेत्र के ग्राम बघिमा

स्थित शर्मा ढाबा में घुस कर काउंटर टेबल में बैठी महिला से शराब पीने के लिए रुपये की माँग की गई रुपये नहीं देने पर दोनों के द्वारा जान से मारने की धमकी देते हुए महिला का बाल पकड़ कर मारपीट करने की रिपोर्ट पर चौकी बारियों, थाना राजपुर में अपराध क्रमांक 82/2026 धारा 296,115(2) 351 (2), 119 (1),3 (5) बीएनएस का अपराध कायम कर आरोपी आकाश पांडे उर्फ शशि उर्फ लल्ला पिता भृगुनंदन पांडे निवासी बघिमा चौकी बढ़िया थाना राजपुर, विक्रम श्रीवास्तव पिता विजय श्रीवास्तव निवासी चाचा मोड चौकी बढ़िया थाना राजपुर जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़, के दोनों आरोपियों को विधिवत न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

रेजांगला युद्ध में शहीद हुए 114 वीर अहीर शहीदों दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

युद्ध में 1300 सौ चीनी सैनिकों को ढेर कर वीर गति को हुए प्राप्त

-संवाददाता-
वाड्रफनगर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

1962 भारत-चीन युद्ध में अदम्य साहस और बलिदान का परिचय देने वाले रेजांगला चौकी के अमर शहीदों की स्मृति में वाड्रफनगर के वन विश्राम गृह में श्रद्धांजलि सभा एवं संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुनेश्वर यादव एवं रेजांगला कलश यात्रा के प्रदेश सह-संयोजक राजेश कुमार यादव उपस्थित रहे। इस दौरान समाज के सैकड़ों प्रबुद्धजनों ने वीर जवानों की शहादत को नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने रेजांगला के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 18 नवंबर 1962 की मध्य रात्रि को जब लगभग 3000 चीनी सैनिकों ने रेजांग ला चौकी पर हमला किया, तब वहां कुमाऊं बटालियन में 120 जवान तैनात थे, जिनमें सभी अहीर सैनिक थे। कमांडर मेजर शैतान सिंह को जब मुख्यालय से चौकी खाली करने का आदेश मिला, तो उन्होंने साहसिक शब्दों में कहा कि पीछे हटने से बेहतर है मातृभूमि के लिए सीने पर गोली खाना। 'दादा किशन' के जयघोष के साथ इन वीर जवानों ने बहादुरी से मुकाबला करते हुए लगभग 1300 चीनी सैनिकों को ढेर कर दिया। इस भीषण युद्ध में 114 जवान वीरगति को प्राप्त हुए, जिनकी वीरता को देखकर अंत में दुश्मन सैनिकों ने भी उन्हें सलामी दी। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात संकल्प सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। समाज के विकास हेतु शिक्षा को बढ़ावा देने, दहेज प्रथा पर रोक लगाने, नशाखोरी के विरुद्ध अभियान चलाने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। इसके पश्चात वाड्रफनगर के विभिन्न वार्डों में भव्य श्रद्धांजलि रैली निकाली गई, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेकर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसे देशभक्ति गीतों के माध्यम से वीर अहीरों की गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीमती ममता यादव (महिला प्रदेश अध्यक्ष), हरिहर यादव (महासचिव), राजकुमार यादव, परमानंद यादव, श्यामधारी यादव, व्यासमुनि यादव रामबिहारी यादव रामाधार यादव अखिलेश यादव युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी यादव महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष द्रोपदी यादव तथा कार्यक्रम संचालक अचल यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति उपस्थितथ रहे।

CMYK

बड़े नेता बनाम युवक: विवाद ने पकड़ा तूल

दो एफआईआर से गरमाया माहौल....

अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ 'बाबा' और युवक के बीच झड़प,मारपीट व धमकी के आरोप-पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले में एक स्थानीय विवाद ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है, क्षेत्र के चर्चित नेता अखिलेश प्रताप सिंह, जिन्हें इलाके में 'बाबा' के नाम से भी जाना जाता है, और एक युवक के बीच हुई झड़प का मामला अब थाने तक पहुंच गया है, घटना के बाद दोनों पक्षों द्वारा अलग-अलग शिकायत दर्ज कराए जाने से मामला और उलझ गया है, जिससे क्षेत्र में चर्चा और अटकलों का दौर तेज हो गया है।

घटना की पृष्ठभूमि: रात में शुरू हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना 10 अप्रैल 2026 की रात की है, बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे बढ़कर गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई, दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार, विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

विवाद की वजह पर सस्पेंस

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल अब भी अनुत्तरित है—आखिर विवाद की असली वजह क्या है? स्थानीय स्तर पर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं कुछ लोग इसे पुरानी रंजिश से जोड़कर देख रहे हैं, कुछ इसे व्यक्तिगत या घरेलू विवाद बता रहे हैं, वहीं कुछ इसे प्रभाव और वर्चस्व की टकराहट के रूप में देख रहे हैं, हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सामाजिक और राजनीतिक असर

अखिलेश प्रताप सिंह क्षेत्र के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं, ऐसे में एक युवा के साथ उनका विवाद होना सामान्य घटना से आगे बढ़कर सामाजिक और राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है, यह घटना कई सवाल खड़े करती है क्या यह केवल व्यक्तिगत विवाद है या इसके पीछे कोई बड़ा कारण है? क्या प्रभावशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों में जांच निष्पक्ष हो पाएगी? क्या यह मामला आगे और राजनीतिक रंग ले सकता है?

दोनों पक्षों के आरोप: सच कौन,सवाल बड़ा

मामले में दर्ज दोनों एफआईआर में अलग-अलग आरोप सामने आए हैं, नेता पक्ष अखिलेश प्रताप सिंह का आरोप लगाया गया है कि युवक ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी, मारपीट करने की कोशिश की, वहीं युवक की ओर से दर्ज रिपोर्ट में आरोप है कि, नेता द्वारा पहले विवाद शुरू किया गया,मारपीट की गई, अपशब्द कहे गए इस तरह दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जिससे मामले की सच्चाई जांच का विषय बन गई है।

कानूनी धाराएं और पुलिस की कार्रवाई- दोनों शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिनमें मारपीट, गाली-गलौज और आपराधिक कृत्य से संबंधित प्रावधान शामिल हैं, पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, घटना स्थल और परिस्थितियों की जांच की जा रही है, साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

क्षेत्र में बढ़ी हलचल

घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है, ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों के बीच इस बात को लेकर उत्सुकता है कि पुलिस जांच में क्या सामने आएगा और किस पक्ष की बात सही साबित होगी।

जांच पर टिकी नजर

फिलहाल यह मामला पुलिस जांच के अधीन है और दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच सच्चाई सामने आना बाकी है, यह केवल एक झगड़े का मामला नहीं, बल्कि प्रभाव, प्रतिष्ठा और कानून के बीच संतुलन की परीक्षा भी बन गया है, अब सबकी नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि यह मामला निष्पक्षता से सुलझेगा या फिर विवाद और गहराएगा।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर अंबिकापुर में हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,13 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
होम्योपैथी के जनक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक हैनिमैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्व होम्योपैथी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर शहर के प्रमुख होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आनंद सोनी, डॉ. सुशील मिश्रा, डॉ. दीपक नीलकंठ,डॉ. महेश गौतम,डॉ. धीरज पांडेय, डॉ. जगन्नाथ, डॉ. अनीता, डॉ. तदित चंद्र, डॉ. पल्लवी एवं डॉ. अनुज यादव सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी चिकित्सकों ने आपसी सौहार्द का परिचय देते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और शुभकामनाएं देकर इस दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में होम्योपैथी के महत्व एवं जन-जागरूकता पर भी चर्चा की गई।

अवैध अतिक्रमण पर वन विभाग की कार्यवाही

-संवाददाता-
जशपुरनगर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
वन विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र सन्ना अंतर्गत वन कक्ष क्रमांक पी-111 में ग्राम सुलेसा के कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से वन भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर वन विभाग द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री दयानंद यादव,श्री रमेश यादव, श्री कुमार यादव एवं श्री मिथलेश यादव, निवासी ग्राम सुलेसा द्वारा उक्त वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण किया जा रहा था। संबंधित व्यक्तियों को पूर्व में वन विभाग द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से अतिक्रमण हटाने हेतु समझाइश दी गई थी, किन्तु उनके द्वारा निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उक्त परिस्थिति में 12 अप्रैल 2026 को वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि श्री कुमार यादव, पिता धुनुर यादव, जाति आहीर, निवासी - सुलेसा द्वारा वन भूमि पर अवैध रूप से मकान निर्माण किया जा रहा था। विभाग द्वारा तत्काल हस्तक्षेप करते हुए समझाइश के साथ निर्माण कार्य रुकवा कर स्थल को वन विभाग के कब्जे में लेकर भूमि को रिक्त कराया गया। इसके अतिरिक्त उसी कक्ष क्रमांक में श्री दयानंद यादव, श्री रमेश यादव एवं श्री मिथलेश यादव द्वारा अतिक्रमण की मंशा से मिट्टी डाली गई थी। उक्त मिट्टी को विधिवत रूप से ग्राम पंचायत सुलेसा के सरपंच को सुपुर्द किया गया है। साथ ही उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि उक्त मिट्टी के भौतिक स्वरूप में किसी भी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए तथा यथास्थिति बनाए रखी जाए। वन विभाग द्वारा संबंधित सभी व्यक्तियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि भविष्य में वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण न किया जाए।

इनोवेटिव यंग रिसर्च अवार्ड से सम्मानित अवनीश पाण्डेय...

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले के पर्री निवासी युवा शोधकर्ता अवनीश पाण्डेय को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य और अकादमिक योगदान के लिए 'इनोवेटिव यंग रिसर्च अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन का आयोजन- नैनी स्थित 67 सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में 10 एवं 11 अप्रैल 2026 को 'विकसित भारत 2047' के विजन पर आधारित नवाचार, डिजिटलीकरण एवं उद्यमिता विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं किसान मेला-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

अवनीश को मिला सम्मान-इस सम्मेलन में अवनीश पाण्डेय को उनके शोध कार्य के लिए 'इनोवेटिव यंग रिसर्च अवार्ड' प्रदान किया गया।

खड़गवां में पीडीएस पर सवालों की बरसात....

न तय समय,न निगरानी—स्व-सहायता समूह के नाम पर संचालन में गड़बड़ी के आरोप

-संवाददाता-
खड़गवां,13 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
खड़गवां क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की व्यवस्था इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है, राशन दुकानों के संचालन में अनियमितता, निगरानी की कमी और स्व-सहायता समूहों के नाम पर कथित फर्जी संचालन जैसे आरोपों ने पूरे तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तय समय का अभाव, हितग्राही परेशान

क्षेत्र की पीडीएस दुकानों में न तो खुलने और बंद होने का कोई निर्धारित समय है और न ही वितरण की नियमितता सुनिश्चित हो पा रही है,ग्रामीणों के अनुसार लोग सुबह से राशन लेने पहुंचते हैं, घंटों इंतजार के बाद भी दुकान खुलने की कोई गारंटी नहीं होती, कई बार बिना राशन लिए ही वापस लौटना पड़ता है, इस अव्यवस्था का सबसे ज्यादा असर गरीब और जरूरतमंद वर्ग पर पड़ रहा है।

निरीक्षण व्यवस्था पर उठे सवाल

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल खाद्य विभाग और विशेष रूप से फूड इंस्पेक्टर की भूमिका को लेकर उठ रहा है, स्थानीय लोगों का कहना है की नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा, स्टॉक जांच की कोई ठोस प्रक्रिया नजर नहीं आती, अवैध बिक्री की शिकायतों पर भी कार्रवाई नहीं हो रही, यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि अधिकारी फील्ड में रहते हैं, तो फिर अनियमितताएं लगातार कैसे जारी हैं?

अवैध बिक्री और स्टॉक गड़बड़ी के आरोप

सूत्रों और ग्रामीणों के अनुसार पीडीएस दुकानों से चावल और चना की अवैध बिक्री की जा रही है, जांच होने पर बड़े पैमाने पर स्टॉक में कमी सामने आ सकती है, विरोध करने वाले हितग्राहियों को समझाकर या लाभ देकर शांत कर दिया जाता है, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने संदेह को गहरा कर दिया है।

स्व-सहायता समूह के नाम पर संचालन पर सवाल- एक गंभीर आरोप यह भी सामने आया है कि जिन स्व-सहायता समूहों के नाम पर राशन दुकानें आवंटित हैं, वे केवल कागजों तक सीमित हैं,ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार समूह की महिलाएं दुकान संचालन में सक्रिय नहीं हैं, दुकान का संचालन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है, कई मामलों में संबंधित महिलाओं को प्रक्रिया की जानकारी तक नहीं है, यह स्थिति न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की अवधारणा पर भी सवाल खड़े करती है।

पुराने मामलों की जांच अब भी अधूरी- सूत्रों के मुताबिक, पहले भी इसी तरह के मामलों में सैकड़ों क्विंटल चावल के गबन के आरोप लगे, जांच शुरू हुई, लेकिन कार्रवाई अब तक नहीं हो पाई, इससे यह आशंका बढ़ रही है कि कहीं यह पूरा मामला 'जांच के नाम पर लंबित' रखने की रणनीति तो नहीं बन गया है।

जवाबदेही पर बड़ा सवाल- मौजूदा स्थिति में सबसे बड़ा प्रश्न यह है क्या निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित है? क्या अधिकारियों ने कभी यह जांचा कि दुकान वास्तव में कौन संचालित कर रहा है? शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब फिलहाल अस्पष्ट हैं, लेकिन जन असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश- लगातार अनियमितताओं और शिकायतों के बावजूद ठोस कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश है, हितग्राहियों का कहना है कि राशन वितरण में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है व्यवस्था पूरी तरह मनमानी पर आधारित हो गई है।

सिस्टम या सिंडिकेट?- यह मामला केवल एक दुकान या एक क्षेत्र तक सीमित नहीं दिखता, बल्कि यह संकेत देता है कि निगरानी तंत्र कमजोर पड़ चुका है, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया सुस्त है, और कहीं न कहीं सिस्टम के भीतर मिलीभगत की आशंका भी नजर आती है।

कार्रवाई या फिर फाइलों में दफन?- खड़गवां की पीडीएस व्यवस्था अब एक बड़े सवाल के रूप में सामने है क्या खाद्य विभाग इस मामले में ठोस कार्रवाई करेगा या यह मुद्दा भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा? फिलहाल इतना तय है कि यह मामला अब सिर्फ राशन वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रशासनिक ईमानदारी की परीक्षा बन चुका है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर सूरजपुर में लाइव संबोधन कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार जिला भाजपा कार्यालय सूरजपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री के लाइव संबोधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रदेश की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ, कार्यक्रम में नारी सम्मान और सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री के संबोधन की प्रमुख बातें-कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाइव संबोधन सुना गया,प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय बताते हुए कहा कि यह 21वीं सदी के महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है, उन्होंने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया, साथ ही देश की महिलाओं से इस पहल का समर्थन करने का आह्वान किया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की अपील-प्रदेश की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उपस्थित लोगों से इस पहल का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग मिस कॉल कर इस अभियान से जुड़ें।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति-कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, जिला भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास, सहित भाजपा की महिला एवं युवा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

'अधिकारियों का चारागाह बना भैंसामुंडा पुल,ठेकेदार की मनमानी का खुला खेल'

भैंसामुंडा महानदी पुल मरम्मत घोटाला: लाखों खर्च, डेढ़ महीने में उखड़ा सच

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,13 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
प्रतापपुर-अंबिकापुर-वाराणसी मुख्य मार्ग पर स्थित भैंसामुंडा महानदी पुल एक बार फिर भ्रष्टाचार और लापरवाही की बड़ी मिसाल बनकर सामने आया है। लाखों रुपये की लागत से हाल ही में कराई गई मरम्मत अब महज डेढ़ महीने में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। पुल की सड़क परत जगह-जगह से उखड़ने लगी है,जिससे साफ जाहिर होता है कि मरम्मत कार्य केवल कागजों में मजबूत और जमीनी स्तर पर बेहद कमजोर था।

लाखों खर्च, काम आधा अधूरा

स्थानीय लोगों के मुताबिक,मरम्मत के लिए भारी-भरकम बजट स्वीकृत किया गया था, लेकिन कार्य पुल के आधे हिस्से तक ही सीमित रहा। कई स्थानों पर गड्ढे जस के तस छोड़ दिए गए, जिससे साफ संकेत मिलता है कि काम को जल्दबाजी में निपटाकर राशि का बंदरबांट किया गया।

घटिया सामग्री से तैयार 'कमजोर पुल'

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मरम्मत में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया। यही वजह है कि डेढ़ महीने के भीतर ही पुल की परत उखड़ने लगी। यह न केवल तकनीकी लापरवाही है, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जान जोखिम में डालने जैसा गंभीर मामला है।

इंजीनियरों की निगरानी पर सवाल : पूरा मामला विभागीय इंजीनियरों और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा करता है। यदि निर्माण कार्य की सही मॉनिटरिंग होती, तो इतनी जल्दी पुल की स्थिति खराब नहीं होती। इससे यह आशंका और मजबूत होती है कि ठेकेदार और अधिकारियों के बीच मिलीभगत से यह खेल खेला गया।

मुख्य मार्ग, रोज हजारों की आवाजाही : यह पुल प्रतापपुर-अंबिकापुर-वाराणसी मार्ग का एकमात्र महत्वपूर्ण संपर्क है, जहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रही है।

जनता में आक्रोश, जांच की मांग तेज : क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि 'रिपेयरिंग के नाम पर सिर्फ पैसे हजम किए गए हैं,जबकि पुल पहले से भी अधिक खतरनाक हो गया है।' ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

'पुल नहीं, भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया भैंसामुंडा ': जिस पुल को मजबूत बनाने के दावे किए गए थे, वही आज भ्रष्टाचार का जीवंत उदाहरण बन गया है। सवाल यह है कि आखिर कब तक जनता की मेहनत की कमाई इस तरह से लूटी जाती रहेगी और जिम्मेदार लोग बेखौफ बने रहेंगे? अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी अन्य घोटालों की तरह फाइलों में दफन हो जाएगा।

कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

वि.प्र.क. /विशेष विवाह/2025-26

फार्म- "अ"
सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार कनौजिया आ0 सदुराम कनौजिया, उम्र 39 वर्ष, पेशा नौकरी, निवासी पुलिस लाईन अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0, 497001 एवं अवेदिका ग्लाडी श्वेता तिर्की आ0 तरसियुस तिर्की उम्र 38 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 12, तिवारी मोहल्ला, थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आयशित विवाह/विवाह पंजीयन की सूचना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई व्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 14/05/2026 को दिन के 11:00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । उक्त अवधि समाप्त के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

सील
विशेष विवाह अधिकारी
सरगुजा,अम्बिकापुर

बैकुंठपुर में कांग्रेस की सियासत गरम : दावेदारों की भीड़ में अशोक जायसवाल सबसे आगे?

बैकुंठपुर में चुनाव से पहले ही सियासी तपिश: कांग्रेस में दावेदारों की भीड़, अशोक जायसवाल की सक्रियता चर्चा में

भूमिका : चुनाव दूर,लेकिन राजनीति अभी से तेज

-संवाददाता-
कोरिया,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले की बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर आगामी चुनाव में अभी लगभग तीन वर्ष का समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक गतिविधियां जिस गति से बढ़ रही हैं,उसने यह साफ कर दिया है कि चुनावी जमीन अभी से तैयार की जा रही है, खासतौर पर कांग्रेस पार्टी के भीतर संभावित दावेदारों को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है,राजनीतिक गलियारों, कार्यकर्ता बैठकों और आम चर्चाओं में एक ही सवाल गूंज रहा है,आखिर इस बार कांग्रेस किस चेहरे पर भरोसा जताएगी? यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि पिछले चुनाव में पार्टी को यहां करारी हार का सामना करना पड़ा था।

अशोक जायसवाल: लगातार सक्रियता से बने केंद्र बिंदु

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष और वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल इन दिनों बैकुंठपुर की राजनीति में सबसे ज्यादा सक्रिय चेहरा बनकर उभरे हैं,उनकी सक्रियता केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे लगातार,सामाजिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं, जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर रहे हैं,राजनीतिक जानकार मानते हैं कि उनकी यह सक्रियता आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी का स्पष्ट संकेत है, कुछ लोग इसे 'जल्दबाजी' कह रहे हैं, तो वहीं अन्य इसे 'रणनीतिक बढ़त' के रूप में देख रहे हैं।

क्या मिला है अंदरूनी संकेत?

अशोक जायसवाल की बढ़ती सक्रियता को लेकर यह चर्चा भी जोरों पर है कि उन्हें पार्टी के भीतर से किसी प्रकार का सकारात्मक संकेत मिला हो सकता है, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन जिस तरह से वे लगातार हर छोटे-बड़े कार्यक्रम में नजर आ रहे हैं, उससे यह कयास जरूर लगाए जा रहे हैं कि वे खुद को मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने में जुटे हैं।

पिछली हार का साया: कांग्रेस के लिए चेतावनी

बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर पिछले चुनाव में कांग्रेस को जो हार मिली, उसे पार्टी के भीतर 'ऐतिहासिक हार' के रूप में देखा गया, इस हार के पीछे सबसे बड़ा कारण गुटबाजी को माना गया, जिसने संगठन को कमजोर किया,कार्यकर्ताओं को विभाजित किया और चुनावी रणनीति को प्रभावित किया,अब पार्टी इस अनुभव से सबक लेते हुए प्रत्याशी चयन में सावधानी बरतने की तैयारी में है।

प्रत्याशी चयन में बदलाव के संकेत

कांग्रेस के भीतर यह लगभग तय माना जा रहा है कि इस बार प्रत्याशी चयन में बदलाव देखने को मिल सकता है,पार्टी नेतृत्व इस बार ऐसे उम्मीदवार की तलाश में है जो, सभी गुटों को साथ लेकर चल सके, संगठन को मजबूत कर सके और जमीनी स्तर पर स्वीकार्य हो, इस वजह से पुराने समीकरणों को दरकिनार कर नए विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

दावेदारों की लंबी कतार, मुकाबला बहुस्तरीय-

कांग्रेस में इस बार दावेदारों की संख्या कम नहीं है,अशोक जायसवाल के अलावा कई अन्य नेता भी टिकट की दौड़ में शामिल हैं, प्रमुख नाम इस प्रकार हैं:

योगेश शुक्ला : रणनीति और नेटवर्क की ताकत

योगेश शुक्ला को एक रणनीतिक रूप से मजबूत नेता माना जाता है, उनके पास पारिवारिक राजनीतिक संपर्क,संगठन में पकड़ और चुनावी रणनीति की समझ उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाती है।

वेदांती तिवारी: अनुभव का वजन

वेदांती तिवारी का राजनीतिक अनुभव उन्हें अन्य दावेदारों से अलग पहचान देता है, उन्होंने संगठन में लंबा समय बिताया है और चुनावी राजनीति का व्यावहारिक अनुभव भी हासिल किया है, उनकी यही विशेषता उन्हें गंभीर दावेदारों की सूची में बनाए रखती है।

बिहारी लाल राजवाड़े और संगीता राजवाड़े: सामाजिक समीकरण का आधार

बिहारी लाल राजवाड़े और संगीता राजवाड़े की दावेदारी सामाजिक समीकरणों पर आधारित मानी जा रही है, क्षेत्र में जातीय और सामाजिक संतुलन को देखते हुए, इन दोनों नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है, और पार्टी यदि सामाजिक समीकरण को प्राथमिकता देती है, तो इनकी दावेदारी मजबूत हो सकती है।

समीकरणों की जंग: संगठन बनाम सामाजिक आधार

बैकुंठपुर की राजनीति में इस बार मुकाबला केवल व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि अलग-अलग समीकरणों के बीच भी होगा, एक ओर संगठनात्मक मजबूती और रणनीति है,दूसरी ओर सामाजिक और जातीय संतुलन, ऐसे में पार्टी के लिए यह निर्णय आसान नहीं होगा कि किस आधार को प्राथमिकता दी जाए।

भाजपा से मुकाबले की तैयारी

कांग्रेस को केवल अपने अंदरूनी समीकरण ही नहीं सुलझाने हैं, बल्कि उसे सत्ताधारी भाजपा के मजबूत संगठन से भी मुकाबला करना है,भाजपा का मजबूत कैडर, संसाधनों की उपलब्धता और चुनावी अनुभव कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

राजनीतिक महत्वाकांक्षा और हकीकत

हर दावेदार की अपनी महत्वाकांक्षा है और सभी खुद को योग्य उम्मीदवार मानते हैं, लेकिन राजनीतिक हकीकत यह है कि टिकट केवल एक को मिलेगा और बाकी को उसी उम्मीदवार के समर्थन में खड़ा होना होगा, यहीं पर पार्टी की एकजुटता की असली परीक्षा होगी।

गुटबाजी : सबसे बड़ी चुनौती

कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती अभी भी गुटबाजी ही बनी हुई है,यदि पार्टी इस समस्या को दूर नहीं कर पाती,तो मजबूत उम्मीदवार भी कमजोर साबित हो सकता है,और चुनावी परिणाम फिर प्रभावित हो सकते हैं,इसलिए दावेदारों के सामने भी यह चुनौती होगी कि वे,अपने समर्थकों को एकजुट रखें,और विरोधी गुटों को साथ लाने का प्रयास करें।

सक्रियता बनाम स्वीकार्यता: कौन पड़ेगा भारी?

अशोक जायसवाल की सक्रियता उन्हें फिलहाल बढ़त दिला रही है, लेकिन केवल सक्रियता ही पर्याप्त नहीं होगी,पार्टी यह भी देखेगी कि,किस उम्मीदवार की जनता में स्वीकार्यता अधिक है, कौन कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चल सकता है, और कौन चुनावी मैदान में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

जनसंपर्क की राजनीति : शुरुआती बढ़त का संकेत

अशोक जायसवाल का लगातार जनसंपर्क अभियान उन्हें फिलहाल 'सबसे निश्चिंत दावेदार' के रूप में पेश कर रहा है,वे हर कार्यक्रम में उपस्थित रह रहे हैं,लोगों से सीधे संवाद कर रहे हैं,और खुद को जनता के बीच स्थापित कर रहे हैं, हालांकि,यह भी कहा जा रहा है कि यह 'जल्दबाजी' है,लेकिन राजनीति में समय से पहले तैयारी करना कई बार फायदे का सौदा भी साबित होता है।

फैसला समय और रणनीति पर निर्भर

बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के लिए आगामी चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि अपनी खोई हुई साख को वापस पाने की लड़ाई भी होगा,दावेदार कई हैं, समीकरण जटिल हैं और चुनौतियां बड़ी हैं, ऐसे में पार्टी को एक ऐसा चेहरा चुनना होगा जो संगठन को एकजुट कर सके, जनता में विश्वास पैदा कर सके,और भाजपा को कड़ी टक्कर दे सके फिलहाल नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कांग्रेस किसे अपना 'ट्रंप कार्ड' बनाती है, क्योंकि बैकुंठपुर की सियासत में खेल अभी शुरू हुआ है,और असली मुकाबला अभी बाकी है।

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई....

रात 1 बजे खनिज विभाग का छापा, मशीन सहित 4 ट्रैक्टर और हाईवा जब्त

-संवाददाता-
एमसीबी,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 10 अप्रैल 2026 की रात छापामार अभियान चलाया। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर विभागीय टीम ने योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

मवई नदी में औचक निरीक्षण

तहसील भरतपुर के ग्राम पंचायत हरचौका स्थित मवई नदी में स्वीकृत रेत खदान का रात्रि लगभग 1 बजे निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खनन कार्य पर्यावरणीय नियमों के विपरीत किया जा रहा था,मौके पर खनिज विभाग ने एक चेन माउंटेन मशीन और रेत से भरी एक हाईवा वाहन को जब्त किया।

सिरौली और चिउंटिमार में कार्रवाई

कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए विभाग की टीम ने सिरौली और चिउंटिमार क्षेत्रों में भी दबिश दी, यहां अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में संलिप्त 4 ट्रैक्टर वाहनों को पकड़ा गया, सभी वाहनों के मालिकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

अधिनियम के तहत कार्रवाई

जप्त किए गए वाहनों के मालिकों पर खनन एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(1),21(5) एवं 23(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है,चारों ट्रैक्टरों को कलेक्टरेट परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

अधिकारियों की भूमिका

इस कार्रवाई में खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा, खनिज सिपाही राजकुमार यादव सहित विभागीय अमले की सक्रिय भागीदारी रही,अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राजस्व वसूली में उपलब्धि

90 करोड़ लक्ष्य के मुकाबले 79.53 करोड़ की प्राप्ति, खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, निर्धारित लक्ष्य 90.00 करोड़ रुपये, प्राप्ति 79.53 करोड़ रुपये,उपलब्धि लगभग 88 प्रतिशत,यह उपलब्धि विभाग की सतत निगरानी और प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

अवैध खनन पर नियंत्रण

विभाग द्वारा जिले में कोयला तथा गौण खनिज गिट्टी और रेत के उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी गई,अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कुल 146 प्रकरण दर्ज किए गए।

अर्थदंड से राजस्व वसूली

अवैध उत्खनन और परिवहन से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए विभाग ने 38.70 लाख रुपये अर्थदंड एवं समझौता शुल्क के रूप में वसूले,यह राशि निर्धारित खनिज मद में जमा कराई गई है।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा,राजस्व लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा नियमित कार्रवाई की जाएगी।

संसद में नया अध्याय : 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से बदलने जा रही राजनीति की तस्वीर

बैकुंठपुर में भाजपा महिला मोर्चा ने सुना पीएम का संबोधन,महिलाओं की भागीदारी को बताया ऐतिहासिक अवसर

-संवाददाता-
कोरिया,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय लोकतंत्र एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां दशकों पुरानी मांग अब विधायी हकीकत बनने की दहलीज पर है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'–जिसे राजनीतिक गलियारों में महिला आरक्षण के रूप में जाना जाता है–अब सिर्फ बहस का विषय नहीं, बल्कि सत्ता संरचना को पुनर्परिभाषित करने वाला प्रस्ताव बन चुका है। बैकुंठपुर में इस ऐतिहासिक पहल की गूंज साफ सुनाई दी, जहां भाजपा महिला मोर्चा ने एकत्र होकर प्रधानमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण देखा और इस पहल को'नारी सशक्तिकरण की निर्णायक छलांग' बताया।

लाइव प्रसारण के जरिए जुड़ा स्थानीय उत्साह

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बैकुंठपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा की पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं,कार्यक्रम का केंद्र रहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन,जिसे सभी ने सामूहिक रूप से सुना,यह आयोजन केवल एक राजनीतिक गतिविधि नहीं था, बल्कि इसे एक वैचारिक संवाद के रूप में भी देखा गया,जहां स्थानीय स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और उनकी राजनीतिक भूमिका पर चर्चा हुई।

क्या है 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'?

यह अधिनियम भारतीय संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने से जुड़ा है एक ऐसी मांग,जो पिछले लगभग चार दशकों से भारतीय राजनीति में उठती रही है,प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि यह निर्णय 21वीं सदी के भारत के लिए ऐतिहासिक मोड़ साबित होगा, यह सिर्फ प्रतिनिधित्व नहीं,बल्कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगा,संसद और विधानसभाओं तक महिलाओं की पहुंच संरचनात्मक रूप से आसान होगी।

विशेष सत्र: इंतजार के अंत की शुरुआत

केंद्र सरकार द्वारा 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना इस बात का संकेत है कि सरकार इस विधेयक को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना चाहती है, प्रधानमंत्री ने इसे'दशकों की प्रतीक्षा का अंत' बताते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के जीवन में एक बड़ा अवसर लेकर आएगा–विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए जो राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती हैं,लेकिन संरचनात्मक बाधाओं के कारण पीछे रह जाती हैं।

विश्लेषण: राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी क्यों जरूरी?

- प्रतिनिधित्व बनाम वास्तविक भागीदारी- भारत की आधी आबादी महिलाएं हैं, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनकी हिस्सेदारी अभी भी सीमित है, यह अधिनियम इस असंतुलन को सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।
- नीति निर्माण में दृष्टिकोण का विस्तार-महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से नीति निर्माण में सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मुद्दों पर अधिक संवेदनशील दृष्टिकोण आने की संभावना है।
- राजनीतिक संस्कृति में बदलाव- विशेषज्ञ मानते हैं कि महिलाओं की संख्या बढ़ने से राजनीति में संवाद, सहमति और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान बढ़ सकता है हालांकि यह बदलाव धीरे-धीरे ही दिखाई देगा।
- स्थानीय प्रतिक्रिया: आभार और उम्मीद- बैकुंठपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे महिलाओं के लिए'स्वर्णिम अवसर' बताया, जिलाध्यक्ष रीता यादव, जिला महामंत्री पुष्पलता राजवाड़े, ममता कुशवाहा, रेखा यादव, संगीता गुप्ता, लक्ष्मी साहू, आंचल सिंह परमार, शीला राजवाड़े, गीता साहू, साक्षी सिंह राजपूत, पार्वती रजक, गीता एक्का, तोता रानी, शिल्पा शर्मा, पुष्पा पाल, आभादेवी चौहान, सीमाकली, सीमा साहू, रीना साहू, शीतल साहू, प्रतिमा साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।
- अवसर, राजनीति और यथार्थ की परीक्षा- 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर उत्साह जितना बड़ा है, चुनौती भी उतनी ही गंभीर है, यह अधिनियम अगर लागू होता है, तो यह भारतीय राजनीति में संरचनात्मक बदलाव की शुरुआत हो सकती है-लेकिन असली परीक्षा होगी इसके प्रभावी क्रियान्वयन और वास्तविक सशक्तिकरण की, सवाल अब सिर्फ यह नहीं है कि महिलाओं को सीटें मिलेंगी या नहीं, बल्कि यह है कि क्या उन्हें निर्णय लेने की असली ताकत भी मिलेगी? भारतीय संसद एक नया इतिहास रचने की ओर बढ़ रही है-अब देखना यह है कि यह इतिहास कितनी गहराई तक समाज को बदलता है।

सिंघत जलाशय नहर निर्माण में गड़बड़ी के आरोप...

करोड़ों की परियोजना पर गुणवत्ता सवालों के घेरे में

मापदंडों की अनदेखी,घटिया सामग्री और निगरानी पर उठे सवाल,जांच और कार्रवाई की मांग तेज

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के सिंघत जलाशय से निकलने वाली नहर लाइनिंग निर्माण कार्य इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है, करोड़ों रुपये की लागत से चल रहे इस प्रोजेक्ट में गुणवत्ता से समझौते के आरोप सामने आ रहे हैं, स्थानीय ग्रामीणों और मौके पर सामने आए तथ्यों के आधार पर यह आशंका जताई जा रही है कि निर्माण कार्य विभागीय मापदंडों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है,यदि आरोप सही साबित होते हैं,तो इसका सीधा असर क्षेत्र के किसानों पर पड़ेगा,जिन्हें इस परियोजना से सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद है।

सिंघत जलाशय की नहर लाइनिंग परियोजना अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है, एक ओर करोड़ों रुपये की लागत और किसानों की उम्मीदें हैं, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता को लेकर गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं,यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है और आवश्यक कार्रवाई की जाती है,तो परियोजना को सही दिशा मिल सकती है,लेकिन यदि अनियमितताओं को नजरअंदाज किया गया,तो यह परियोजना एक और अधूरी और विवादित योजना बनकर रह जाएगी,अब देखना यह है कि प्रशासन और विभाग इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाते हैं और क्या वास्तव में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाते हैं।

किसानों के सपनों पर संकट के बादल

सिंघत जलाशय का निर्माण लगभग 15 वर्ष पहले किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था, इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य था कि क्षेत्र के किसान एक फसल के बजाय दो फसल ले सकें और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो,लेकिन वर्तमान में चल रहे नहर लाइनिंग निर्माण कार्य को लेकर उठ रहे सवाल इन उम्मीदों पर पानी फेर सकते हैं, ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन हुआ,तो पूरी परियोजना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

मापदंडों की अनदेखी के आरोप

निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का पालन सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इस परियोजना में इन्हीं मानकों की अनदेखी के आरोप लगाए जा रहे हैं,जानकारी के अनुसार, नहर लाइनिंग के लिए बेसमेंट की ढलाई लगभग 15 सेंटीमीटर (6 इंच) और साइड वॉल की ढलाई लगभग 7.5 सेंटीमीटर (3.5 इंच) होनी चाहिए,लेकिन मौके पर देखा गया कि बेसमेंट की ढलाई कम मोटाई में की जा रही है और साइड वॉल भी निर्धारित मानकों से कम बनाई जा रही है, इससे निर्माण की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं।

बाईब्रेटर का उपयोग नहीं,गुणवत्ता पर असर

कंक्रीट निर्माण कार्य में बाईब्रेटर का उपयोग अनिवार्य माना जाता है, जिससे कंक्रीट में मजबूती आती है और उसमें कोई खाली जगह नहीं रहती,स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान बाईब्रेटर का उपयोग नहीं किया जा रहा,जब इस संबंध में साइट पर मौजूद लोगों से पूछा गया,तो बताया गया कि मशीन खराब है,हालांकि,ग्रामीणों का कहना है कि यह जवाब अक्सर दिया जाता है और यह गुणवत्ता में कमी को छिपाने का एक तरीका बन गया है।

घटिया सामग्री और गलत अनुपात का उपयोग

निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, निर्धारित मानकों के विपरीत बड़े आकार की गिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, प्लास्टिक शीट की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप नहीं बताई जा रही, ब्रांडेड सामग्री के बजाय निम्न स्तर की सामग्री उपयोग में लाई जा रही है, इन सभी कारणों से निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है।

सरिया बंधाई में भी अनियमितता

नहर लाइनिंग की मजबूती के लिए सरिया का सही उपयोग आवश्यक होता है, लेकिन आरोप है कि सरिया बंधाई भी मानकों के अनुरूप नहीं की जा रही, सीमित और कम गुणवत्ता वाली सरिया का उपयोग कर निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है, जिससे भविष्य में नहर के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।

छोटी मिक्सर मशीनों से हो रहा काम

करोड़ों रुपये की परियोजना में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक और उपकरणों का उपयोग अपेक्षित होता है, लेकिन यहां छोटी मिक्सर मशीनों से कंक्रीट तैयार किया जा रहा है, जबकि इस तरह के बड़े कार्यों के लिए RMC प्लांट का उपयोग अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह भी निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है।

सूचना पटल का अभाव, पारदर्शिता पर सवाल

निर्माण स्थल पर किसी भी प्रकार का सूचना पटल नहीं लगाया गया है, जिससे परियोजना की लागत, अवधि और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आम लोगों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है, यह स्थिति पारदर्शिता की कमी को दर्शाती है और लोगों के बीच संदेह को बढ़ाती है।

मिलीभगत की आशंका, अधिकारी भी घेरे में

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में हो रही अनियमितताओं के बावजूद विभागीय अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं,यदि यह सही है, तो यह केवल ठेकेदार की लापरवाही नहीं,बल्कि विभागीय निगरानी तंत्र की कमजोरी या संभावित मिलीभगत की ओर संकेत करता है।

इंजीनियर का बयान

इस मामले पर जल संसाधन विभाग के इंजीनियर अजय कुमार साहू ने कहा कि उन्होंने निर्माण कार्य गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार करने के निर्देश दिए हैं,उन्होंने यह भी कहा कि यदि निर्माण कार्य में कोई कमी पाई जाती है, तो उसे तोड़कर पुनः कराया जाएगा।

किराना एवं रेडिमेड दुकान में चोरी का खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। चौकी बसदेई क्षेत्र में किराना एवं रेडिमेड कपड़ा दुकान में हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, मामले में संगठित अपराध की धारा भी जोड़ी गई है।

घटना का विवरण-ग्राम सोनपुर निवासी सदीक मोहम्मद ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी सोनपुर मेन रोड स्थित किराना एवं रेडिमेड कपड़ा दुकान में 11 अप्रैल 2026 की रात चोरी हो गई,उन्होंने बताया कि रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे, अगले दिन सुबह दुकान खोलने पर पीछे का दरवाजा टूटा हुआ मिला और दुकान के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। साथ ही सीसीटीवी का डीवीआर भी गायब था।

चोरी गया सामान-अज्ञात चोर दुकान से नगदी 6 हजार रुपये, 2 सोने के कंगन,गुटखा,सिगरेट,एटीएम कार्ड,क्रेडिट कार्ड, पेन, आधार कार्ड सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए, प्रकरण में अपराध क्रमांक 238/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस कार्रवाई-मामले की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार चौकी बसदेई पुलिस ने जांच शुरू की, जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर ग्राम शिवप्रसादनगर के दो संदिग्धों को पकड़ा गया।

आरोपी गिरफ्तार-पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना स्वीकार कर ली। गिरफ्तार आरोपियों के नाम राहुल सोनवानी (उम्र 19 वर्ष) एवं मानसाय खरसनिहां (उम्र 29 वर्ष) हैं,दोनों आरोपी पूर्व में भी चोरी के मामलों में चालान हो चुके हैं।

बरामद सामान-आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने सीसीटीवी डीवीआर, नगदी 11,140 रुपये, जीन्स पेंट 11 नग, शर्ट 13 नग, लोअर 3 नग, शेरवानी 1 सेट, कोट 1 नग, गुटखा, सिगरेट, एटीएम व क्रेडिट कार्ड, पेन, आधार कार्ड एवं 2 सोने के कंगन जब्त किए हैं, बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 93 हजार रुपये बताई गई है।

वैधानिक कार्रवाई-मामले में संगठित अपराध के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 जोड़ी गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम की भूमिका- इस कार्रवाई में चौकी बसदेई पुलिस की टीम की सक्रिय भूमिका रही, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी के मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है ।

33 साल बाद दोस्ती का पुनर्जागरण....बैच 1994-95 का कोरिया में ऐतिहासिक रीयूनियन,तीन दिनों तक यादों,सम्मान और अपनत्व का अद्भुत संगम

-संवाददाता-

कोरिया,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। समय बीतता है, लोग बदलते हैं,शहर दूर हो जाते हैं लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो दशकों बाद भी उसी गर्माहट के साथ लौट आते हैं, कोरिया जिले में बैच 1994-95 के साथियों का 33 वर्षों बाद आयोजित रीयूनियन इसी सच्चाई का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया, 10 से 12 अप्रैल तक चला यह तीन दिवसीय आयोजन सिर्फ एक मुलाकात नहीं था,बल्कि यह एक भावनात्मक यात्रा थी, जहां हर चेहरा अपने अतीत से संवाद करता नजर आया, हर हंसी में बचपन की झलक थी और हर आंख में बीते समय की नमी।

महिला नेतृत्व ने रचा अनुकरणीय उदाहरण- इस रीयूनियन की सबसे उल्लेखनीय बात रही

महिला साथियों की सक्रिय और प्रभावी भूमिका, पूरे आयोजन की रूपरेखा, मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था, कार्यक्रमों की योजना और क्रियान्वयन हर पहलू को बेहद व्यवस्थित और संवेदनशील ढंग से संभाला गया, रामसेतु होटल में सभी साथियों के ठहरने की व्यवस्था की गई,जहां वातावरण को इस तरह तैयार किया गया कि हर व्यक्ति खुद को 'मेहमान' नहीं, बल्कि 'परिवार' का हिस्सा महसूस करे।

पहला दिनः गुरु वंदन, भावनाओं का उफान और मस्ती की शुरुआत

रीयूनियन का पहला दिन उस परंपरा को समर्पित रहा, जिसने इन साथियों को जीवन की दिशा दी गुरुजनों का सम्मान, जैसे ही वर्षों बाद छात्र अपने शिक्षकों के सामने पहुंचे, औपचारिकता की जगह भावनाओं ने ले ली, चरण स्पर्श, आशीर्वाद और पुराने किस्सों की चर्चा ने माहौल को गहराई तक छू लिया, इसके बाद साथियों ने कोरिया पैलेस और झुमका डैम का भ्रमण किया, यह सिर्फ पर्यटन नहीं था यह वह मंच था जहां हर कोई अपने 'पुराने रूप' में लौट आया, 90 के दशक के गीतों पर डांस, खुलकर हंसी-मजाक, अनगिनत सेल्फी और ग्रुप फोटो शाम होते-होते यह स्पष्ट हो गया कि यह रीयूनियन 'औपचारिक कार्यक्रम' की सीमाओं से बहुत आगे जा चुका है।

दूसरा दिनः अतीत की गलियों में वापसी,जहां से सफर शुरू हुआ

दूसरे दिन का केंद्र रहा–पुराने शिक्षण संस्थानों का पुनः दर्शन, सभी साथी रामानुज प्रताप सिंह कॉलेज पहुंचे, जहां हर कोना जैसे उन्हें पहचान रहा था, कक्षाओं की दीवारें, मैदान की मिट्टी और गलियारों की हवा सब कुछ जैसे बीते वर्षों की कहानियां सुना रहा था, इसके बाद गर्ल्स स्कूल और अभ्यास शाला प्राइमरी स्कूल का दौरा किया गया, यहां पहुंचकर माहौल और भी भावुक हो गया बचपन की शरारतें याद आईं, पुराने मित्रों के साथ बिताए पल फिर जीवंत हुए, प्रार्थना स्थल पर सभी ने एक साथ 'जन-गण-मन' गाया–यह क्षण आयोजन का सबसे संवेदनशील और गौरवपूर्ण पल बन गया, स्थानीय प्राचार्य की उपस्थिति ने इस अवसर को औपचारिक सम्मान भी प्रदान किया।

रिश्तों में परिवार का विस्तार

इस रीयूनियन ने यह भी दिखाया कि दोस्ती सिर्फ व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहती वह परिवारों तक फैलती है, गुलाब गुप्ता, शांति बड़ेरिया, आलोक, आशीष, अनूप, मोनू, रुचि बड़ेरिया और उनके परिवारों ने सभी साथियों का आत्मीय स्वागत किया, उपहारों का आदान-प्रदान सिर्फ औपचारिकता नहीं था, यह उस अपनत्व का प्रतीक था, जो वर्षों बाद भी कायम रहा।

सामाजिक परिप्रेक्ष्यः क्यों महत्वपूर्ण है ऐसा आयोजन?

यह रीयूनियन सिर्फ एक निजी आयोजन नहीं था–यह सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण संकेत देता हैः

तीसरा दिन : प्रकृति के बीच सुकून और यादों का समापन

तीसरे दिन का आयोजन प्रकृति की गोद में किया गया, सोनहत स्थित घुनघुट्टा डैम और आनंदपुर नर्सरी सुंदर वन में साथियों ने सुकून के पल बिताए, हरियाली और पहाड़ों के बीच फोटोशूट, गीत-संगीत और खुली बातचीत, बीते वर्षों के अनुभवों का साझा करना, यह दिन एक शांत लेकिन गहरे प्रभाव वाला समापन साबित हुआ।

डिजिटल युग बनाम वास्तविक रिश्ते

आज जहां संबंध सोशल मीडिया तक सीमित होते जा रहे हैं, वहां इस तरह के आयोजन यह बताते हैं कि वास्तविक मुलाकातों का कोई विकल्प नहीं।

गुरु-शिष्य परंपरा की निरंतरता

गुरुजनों का सम्मान इस बात का प्रमाण है कि आधुनिकता के बावजूद पारंपरिक मूल्यों की जड़ें अभी भी मजबूत हैं।

भावनात्मक स्वास्थ्य और सामाजिक जुड़ाव

ऐसे आयोजन मानसिक संतुलन और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करते हैं–जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बेहद जरूरी है।

प्रमुख सहभागी

इस आयोजन में मोना जायसवाल, अपर्णा मित्रा, प्रीती गुप्ता, जितेंद्र जैन, ज्योति सिंह, प्रदीप नामदेव, अनुराधा मंडल, सुरेश गुप्ता, मनोरमा शुक्ला, रेनू, आरती सिंह, आशा पटवा, रेखा यादव, गीता सिंह, शालिनी गुप्ता, अमूदा कृष्णनन, रुहिली दास, रंजीता गुप्ता, कृपा पांडे, अंजू जैन, सुमन दुबे, शोभा सोनी, अभय बड़ेरिया, आलोक यादव, भूपेंद्र सिंह, भूपेंद्र पाल, विजय सिंह ठाकुर, आशीष गुप्ता, धीरेन्द्र दीक्षित, अजीत लकड़ा, डिम्मी गुप्ता, जय प्रकाश गुप्ता, कामिनी दुबे एवं अजीत पटेल सहित अनेक साथी शामिल रहे।

समय हार गया, दोस्ती जीत गई

तीन दिनों का यह आयोजन समाप्त हुआ, लेकिन इसकी गूंज लंबे समय तक बनी रहेगी, यह रीयूनियन एक संदेश छोड़ गया रिश्ते अगर सच्चे हों, तो समय और दूरी उन्हें खत्म नहीं कर सकते, 33 साल बाद मिले इन दोस्तों ने साबित कर दिया कि दोस्ती सिर्फ एक याद नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी अध्याय है।

भीषण गर्मी में राहत की पहल,स्काउट्स-गाइड्स ने पटना में खोला प्याऊ घर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने तीसरे वर्ष भी शुरू सेवा,शीतल पेयजल,शरबत व फल का वितरण,गर्मी में सेवा का अनूठा संदेश

-संवाददाता-

कोरिया,13 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ कोरिया द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के सामने लगातार तीसरे वर्ष प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया है, जिससे राहगीरों और मरीजों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा सके,यह पहल न केवल लोगों की प्यास बुझाने का कार्य कर रही है, बल्कि समाज में सेवा और मानवता का संदेश भी दे रही है,भीषण गर्मी के बीच यह प्याऊ घर आमजन के लिए राहत का केंद्र बन गया है,स्काउट्स एवं गाइड्स की यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है, जो बताती है कि सेवा भाव से किया गया छोटा प्रयास भी लोगों के जीवन में बड़ी राहत ला सकता है।

जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति-प्याऊ घर का शुभारंभ प्रीतम फार्मेसी के समीप गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ,इस अवसर पर पत्रकार, समाजसेवी,शिक्षाविद्, स्काउट्स-गाइड्स के पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, कार्यक्रम में जिला संगठन आयुक्त नागेश्वर साहू के मार्गदर्शन एवं विकासखंड सचिव शिव प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजन किया गया।

निर्देश और मार्गदर्शन में हुआ आयोजन-यह पहल राज्य स्तर के निर्देशों के तहत की गई, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव बृजेश बाजपेई के निर्देशानुसार तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त विनोद कुमार राय के आदेशानुसार इस सेवा कार्य को शुरू किया गया, यह दर्शाता है कि संगठन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन कर रहा है।

ग्रीष्मकाल भर चलेगी सेवा-आयोजकों ने जानकारी दी कि यह प्याऊ घर पूरे ग्रीष्मकाल, 30 मई तक संचालित किया जाएगा, इस दौरान आमजन को शुद्ध और ठंडा पेयजल, शरबत, खीरा और गुड़ वितरित किया जाएगा, यह सेवा विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो गर्मी में बाहर यात्रा कर रहे हैं या अस्पताल के आसपास मौजूद रहते हैं।

जनसहयोग से संभव हुआ आयोजन-इस पुनीत कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं व्यापारियों का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा, उपसरपंच, पंच, स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों के सहयोग से यह पहल सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, यह उदाहरण है कि सामूहिक प्रयास से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

सेवा और मानवता का संदेश- स्काउट्स एवं गाइड्स का यह प्रयास केवल पानी उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज को सेवा,सहयोग और मानवता का संदेश भी दे रहा है, आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रकार के जनहितकारी कार्यों में सहयोग करें, क्योंकि छोटी-छोटी पहल भी समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

शुभकामनाओं का दौर-इस अवसर पर जिला प्रशासन और स्काउट्स-गाइड्स संगठन से जुड़े कई अधिकारियों एवं पदाधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आशा भोसले को गाने के लिए रिश्वत देती थीं हेलेन

सहेली के रोते हुए बेटे का बनीं सहारा

गायिका आशा भोसले ने एक बार अपनी सहेली और अभिनेत्री हेलेन को लेकर एक रोचक किस्सा साझा किया था...

मशहूर गायिका आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। 12 अप्रैल रविवार को आशा ताई ने अंतिम सांस ली और दुनिया को अलविदा कह दिया। आशा भोसले के अंतिम दर्शन करने के लिए सिनेमा जगत के तमाम सेलेब्स पहुंचे। इस दौरान उनकी खास सहेली और वेटरन एक्ट्रेस हेलेन भी मौजूद रहीं।हेलेन और आशा असल जिंदगी में काफी अच्छी सहेलियां हुआ करती थीं। एक बार आशा ताई ने इस बात का खुलासा किया है कि हेलेन उन्हें गाना गाने के लिए खास तरह की रिश्वत दिया करती थीं।

हेलेन देती थीं ये रिश्वत

आशा भोसले ने एक बार हेलेन संग अपनी बॉन्डिंग को लेकर खुलकर बात की थी। दरअसल बात उस दौरान की जब आशा ताई इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 2 के मंच पर बतौर गेस्ट पहुंची। इस दौरान उन्होंने हेलेन को लेकर एक दिलचस्प किस्सा साझा किया था। आशा भोसले ने बताया था-

मैंने अपने करियर में ज्यादातर हिट सॉन्ग हेलेन के लिए गाए। वह मेरी सबसे अच्छी दोस्त में से एक हैं। मुझे आज भी याद है कि जब भी मैं उनका कोई गाना गाती थी तो उससे पहले हेलेन का मेरे पास कॉल आता था। वह कहती थीं कि आशा जी मुझे पता लगा है कि आप मेरा गाना गा रही हैं, आप उसे बहुत अच्छे तरह से गाना। इसके लिए मैं आपको चॉकलेट दूंगी। इस तरह से आशा भोसले ने अपनी सहेली हेलेन से जुड़ा ये रोचक किस्सा सुनाया।

अब जब आशा भोसले इस दुनिया में नहीं रहीं तो हेलेन अपने दोस्ती का फर्ज अदा करने के लिए उनके अंतिम दर्शन करने पहुंची हैं। इस दौरान वह आशा ताई के रोते हुए बेटे का दुख बांटती हुई नजर आईं।

आशा ताई ने गाए थे हेलेन के ये गीत

बतौर गायक आशा भोसले ने अभिनेत्री हेलेन के कई शानदार गीतों को अपनी मधुर आवाज दी थी। जिनकी जानकारी इस प्रकार है-

ओ हसीना जुल्फों वाली जाने जहां... (फिल्मः तीसरी मंजिल-1966)
आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा... (फिल्मः तीसरी मंजिल-1966)
हुजूर-ए-वाला जो हो इजाजत.... (फिल्मः यह रात फिर न आएगी-1966)
बार बार दिन ये आए... (फिल्मः फर्ज-1967)
मेरा क्या सनम... (फिल्मः तलाश-1969)
पिया तू अब तो आजा... (फिल्मः कारवां-1971)
आज की रात कोई आने को है... (फिल्मः अनामिका-1973)
हुस्न अगर जिद पे आ जाए... (फिल्मः हम तुम और वो-1971)

बड़ी-बड़ी आंखें और गजब अदाएं,बेहद खूबसूरत हैं खूंखार विलेन रंजीत की बेटी दिव्यंका बेदी

फिटनेस और एडवेंचर की हैं दीवानी...हिंदी सिनेमा के मशहूर खलनायक रंजीत की बेटी एक बार फिर चर्चा में हैं... यूं तो दिव्यंका फिल्मों और अभिनय की दुनिया से दूर हैं, लेकिन वह खूबसूरती और फैशन के मामले में किसी बॉलीवुड हसीना से कम नहीं हैं...

जब भी हिंदी सिनेमा के खूंखार खलनायकों का जिक्र होता है तो उनमें अमरीश पुरी, प्रेम चोपड़ा, अमजद खान और गुलशन ग्रोवर जैसे कलाकारों के साथ रंजीत का नाम भी जरूर लिया जाता है। रंजीत अब 84 साल के हो चुके हैं और फिल्मी दुनिया में भी कम ही एक्टिव हैं, लेकिन वह सुर्खियों में हमेशा बने रहते हैं। हाल ही में रंजीत ने अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में पसीना बहाते नजर आए। इस वीडियो के सामने आते ही रंजीत की बेटी भी सुर्खयों में आ गई हैं, जो जिम में अपने पिता की एक्सरसाइज करने में मदद करती नजर आ रही हैं। यूं तो रंजीत की बेटी अभिनय और फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इस वीडियो के सामने आने के बाद अब हर तरफ उनके चर्चे हैं।

बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत हैं दिव्यंका

रंजीत की बेटी का नाम दिव्यंका बेदी है, जो इन दिनों सुर्खियों में हैं। रंजीत के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन उनकी बेटी के बारे में कम ही लोग जानते हैं। दरअसल, दिव्यंका लाइमलाइट से दूर रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं हाल ही में जब उनका वीडियो सामने आया तो हर कोई उनकी फिटनेस और खूबसूरती पर फिदा हो गया। कई यूजर्स ने तो वीडियो पर कमेंट करते हुए ये तक कह दिया कि दिव्यंका को भी अभिनय की दुनिया में अपनी किस्मत आजमानी चाहिए।

क्या करती हैं दिव्यंका?

जहां बॉलीवुड के ज्यादातर स्टारकिड्स ने अपने माता-पिता की राह चुनते हुए अभिनय की दुनिया में कदम रखे तो वहीं दिव्यंका उन गिने-चुने स्टारकिड्स में से हैं, जिन्होंने कुछ अलग करने का फैसला लिया। दरअसल, दिव्यंका एक ज्वेलरी डिजाइनर हैं और gigib design के नाम से अपना ज्वेलरी ब्रांड चलाती हैं। इसके अलावा दिव्यंका एक फिटनेस कोच भी हैं और द स्पेस फिटनेस नाम के एक फिटनेस स्टूडियो की मालकिन हैं। यानी भले ही दिव्यंका एक्टिंग से दूर हैं, लेकिन कमाई के मामले में वह किसी से कम नहीं हैं।

फिटनेस और एडवेंचर की हैं दीवानी

दिव्यंका भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल से एक बात तो साफ है कि वह फिटनेस और एडवेंचर की भी दीवानी हैं। सोशल मीडिया पर उनके ढेरों वीडियो-फोटो हैं, जिनमें वह अलग-अलग लोकेशन पर घूमती-फिरती नजर आ रही हैं। वहीं रंजीत की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 200 से अधिक फिल्मों में काम किया है और ज्यादातर में खलनायक की भूमिका में ही दिखाई दिए हैं। रंजीत ने नमक हलाल, जालिम और जिम्मेदार जैसी फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाई और रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 8 में एक प्रतियोगी के रूप में भी नजर आ चुके हैं।

शादी के एक महीने बाद ही भाग गईं मोनालिसा

खोजते-खोजते पति केरल से पहुंचा अजमेर,कहानी में आया फिल्मी ट्विस्ट

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की कहानी में हर दिन नया ट्विस्ट आ रहा है... शादी के एक महीने के भीतर ही अब मोनालिसा भाग गई है। पति का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है...

प्रयागराज महाकुंभ 2025 में वायरल हुईं मोनालिसा भोंसले की कहानी में इन दिनों एक के बाद एक कई नाटकीय मो आ रहे हैं। महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए अपनी नीली आंखों और सादगी से रातों-रात इंटरनेट सनसनी बनी मोनालिसा अब एक रहस्यमयी पहेली बन गई हैं। ताजा घटनाक्रम में खबर आई है कि मोनालिसा लापता हो गई हैं, जिसकी पुष्टि उनके पति फरमान खान ने की है। इस खबर ने न केवल उनके प्रशंसकों को चौंका दिया है, बल्कि कानूनी और सामाजिक गलियारों में भी हड़कंप मचा दिया है। कुछ दिनों पहले ही ये सामने आया था कि मोनालिसा बालिग नहीं हैं और उनकी बर्थ सर्टिफिकेट फर्जी है। अब इसके चंद दिन बाद ही वो गायब हो गई हैं। ये सिलसिलेवार घटनाएं शादी के एक महीने के भीतर ही हुई हैं।

फरमान खान कर रहे मोनालिसा की तलाश

मोनालिसा के लापता होने की जानकारी उनके पति फरमान खान ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। एक वीडियो संदेश जारी करते हुए फरमान ने बताया कि मोनालिसा अचानक कहीं चली गई हैं। उन्हें ढूंढने की कोशिश में फरमान फिलहाल राजस्थान में हैं। उन्होंने बताया कि वह अजमेर में उनकी तलाश कर चुके हैं और अब जोधपुर की ओर जा रहे हैं। फरमान ने आम जनता और अपने प्रशंसकों से अपील की है कि यदि किसी को भी मोनालिसा के बारे में कोई जानकारी मिले तो वे तुरंत उनसे संपर्क करें। ज्ञात हो कि मोनालिसा और फरमान ने बीते 11 मार्च को केरल के एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी और बाद में कोर्ट मैरिज की भी पुष्टि की थी।

नाबालिग होने का दावा और कानूनी पेच

मोनालिसा की जिंदगी में विवादों की शुरुआत तब हुई जब 9 अप्रैल को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में सनसनीखेज दावा किया कि मोनालिसा अभी नाबालिग हैं। आयोग की इस रिपोर्ट ने मामले को पूरी तरह से पलट कर रख दिया। कानूनन नाबालिग से शादी करने के चलते महेश्वर थाने में फरमान खान के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। एक तरफ जहां फरमान उन्हें अपनी पत्नी बताकर ढूंढ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कानून की नजर में यह एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आ गया है।आरोपों और

विवादों का सिलसिला

महाकुंभ से चर्चा में आने के बाद मोनालिसा को फिल्म इंडस्ट्री से भी ऑफर मिलने लगे थे। इसी दौरान उन्होंने फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा पर यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाकर सनसनी फैला दी थी। हालांकि सनोज मिश्रा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि मोनालिसा का ब्रेनवॉश किया गया है। वर्तमान में पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली मोनालिसा, जिनका परिवार मूल रूप से राजस्थान से ताल्लुक रखता है, फिलहाल कहां हैं और किस स्थिति में हैं, यह एक ब ा सवाल बना हुआ है। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं ताकि इस उलझी हुई गुत्थी को सुलझाया जा सके।

खेल समाचार

महिला टी 20 विश्व कप की प्राइज मनी का ऐलान

महिला टी20 विश्व कप 2026 की प्राइज मनी का आईसीसी ने ऐलान कर दिया है... खिताब जीतने वाली टीम को आईपीएल की विजेता टीम से ज्यादा पैसे मिलेंगे...

दुबई,13 अप्रैल 2026। आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 8,764,615 यानी करीब 81 करोड़ 83 लाख रुपये होगी। 2024 में हुए पिछले महीने टी20 विश्व कप से यह 10 प्रतिशत ज्यादा है। चैंपियन बनने वाली टीम को 2,340,000 यानी करीब 21 करोड़ 84 लाख रुपये मिलेंगे। आईपीएल की विजेता टीम को बीसीसीआई 20 करोड़ रुपये देती है।

कम से कम 2 करोड़ 31 लाख हर टीम को मिलेंगे

आईसीसी फाइनल में हारने वाली टीम को 1,170,000 देगी। यह भारतीय रुपये में करीब 11 करोड़ होता है। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 675,000 मिलेंगे। हर मैच में जीत हासिल करने पर भी प्राइज मनी है। ग्रुप मैच में हर जीत पर टीमों को 31,154 मिलेंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम को कम से कम 247,500 डॉलर यानी 2 करोड़ 31 लाख का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।

महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत 5 जून से होगी

महिला टी20 विश्व कप में पहली बार 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अभी तक इसमें 10 टीमें हिस्सा ले रही थीं। 12 जून को इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इंग्लैंड और वेल्स के पास इस बार मेजबानी है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। महिला वनडे विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम 14 जून को अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेलेगी। टीमों को 6-6 के दो ग्रूप में बांटा गया है। ग्रूप ए में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, नीदरलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका है। वहीं दूसरे ग्रूप में इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज को जगह मिली है। सभी टीमें अपने ग्रुप की अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। दोनों ग्रूप की टॉप-2 टीमों को सेमीफाइनल में जगह मिलेगी। 5 जुलाई को लॉर्ड्स के मैदान पर फाइनल होगा।

बीसीसीआई ने आरसीबी मैच के दौरान फोन इस्तेमाल पर आरआर अधिकारी रोमी भिंडर को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली ,13 अप्रैल 2026। बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल फ़ॉर क्रिकेट इन इंडिया ने राजस्थान रॉयल्स टीम के मैनेजर रोमी भिंडर के कथित एंटी-करप्शन कोड उल्लंघन के मामले की जांच में पहला कदम उठाया है। पिछले शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ़ मैच के दौरान वैभव सूर्यवंशी के साथ टीम डगआउट में बैठे भिंडर को अपना फ़ोन इस्तेमाल करते देखा गया था। जब भिंडर का फ़ोन इस्तेमाल करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया,तो बहुत हंगामा हुआ। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने भी कार्रवाई की मांग की है। बीसीसीआई की एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट ने भिंडर को नोटिस भेजा है। जांच के तहत, भिंडर को फ़ोन इस्तेमाल करने का कारण बताने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन अरुण धूमल ने पब्लिकेशन को बताया, हमने एसीएसयू से घटना की जांच करने और एक रिपोर्ट जमा करने को कहा है।

आशा भोसले की श्रद्धांजलि सभा में नम हुईं सचिन तेंदुलकर की आंखें

सिराज ने जनाई को दिया सहारा

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। महान गायिका आशा भोसले का रविवार को मुंबई में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आशा भोसले को शनिवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी सेहत में सुधार नहीं हो सका। बता दें कि 13 अप्रैल यानी आज उनको श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर पर कई बड़ी-बडी हस्तियां आई थीं। इसमें क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी शामिल थे।बता दें कि सचिन तेंदुलकर अपनी पत्नी अंजलि के साथ आए थे। सचिन तेंदुलकर काफी भावुक नजर आ रहे थे। उनकी आंखों से आंसू नहीं रुक रहे थे। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आशा भोसले की पोती जनाई भोसले के साथ देखा गया। वह जनाई को सहारा देते हुए नजर आए।

आईपीएल इतिहास के 5 सबसे बेस्ट रिप्लेसमेंट खिलाड़ी

एक ने तो अपनी कप्तानी में जिता दी ट्रॉफी

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2026। आईपीएल इतिहास में कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जो आए तो रिप्लेसमेंट बनकर लेकिन वे मैच अपनी टीमों के लिए सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए। आईपीएल की नीलामी में अनसोल्ड रह जाना किसी भी खिलाड़ी के लिए निराशाजनक होता है लेकिन किस्मत का पहिया कब घूम जाए कोई नहीं जानता। आईपीएल इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो शुरू में किसी ने नहीं खरीदे लेकिन चोटिल खिलाड़ियों की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर आए और अपनी टीम की किस्मत ही बदल दी।

क्रिस गेल (2011 - आरसीबी)

आईपीएल इतिहास का सबसे सफल रिप्लेसमेंट शायद क्रिस गेल ही हैं। 2011 की नीलामी में गेल को किसी ने नहीं खरीदा था। लेकिन जब आरसीबी के तेज गेंदबाज डर्क नैनेस चोटिल हुए तो टीम ने गेल को बुलाया। इसके बाद जो हुआ वो इतिहास है। गेल ने उस सीजन में रनों का अंबार लगा दिया और आरसीबी के लिए एक ऐसे बल्लेबाज साबित हुए जिसने अकेले दम पर मैच जिताने की परिभाषा बदल दी।

रजत पाटीदार (2022 - आरसीबी)

रजत पाटीदार को 2022 की मेगा नीलामी में किसी टीम ने घास नहीं डाली थी। वे अपनी शादी की तैयारियों में व्यस्त थे तभी आरसीबी के लवनीथ सिसोदिया चोटिल हो गए और पाटीदार की रिप्लेसमेंट के तौर पर एंट्री हुई। पाटीदार ने एलिमिनेटर मैच में लखनऊ के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर तहलका मचा दिया। बाद में इस खिलाड़ी ने साल 2025 में आरसीबी की टीम को 18 साल के बाद पहली बार चैंपियन बना दिया।

इमरान ताहिर (2017 - राइजिंग पुणे सुपरजायंट)

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर इमरान ताहिर 2017 की नीलामी में अनसोल्ड रहे थे। जब मिचेल मार्श चोटिल होकर बाहर हुए तो पुणे की टीम ने ताहिर को मौका दिया। ताहिर ने अपनी जादुई स्पिन से उस सीजन में 18 विकेट चटकाए और पुणे को फाइनल तक ले जाने में बे ी भूमिका निभाई। उनकी वो विकेट लेने के बाद वाली दौ आज भी फैंस के जहन में ताजा है।

लसिथ मलिंगा (2019 - मुंबई इंडियंस)

मलिंगा की कहानी थोड़ी अलग है। 2018 में वे मुंबई इंडियंस के मेंटॉर बन गए थे लेकिन 2019 में वे बतौर खिलाड़ी वापस आए। हालांकि वे नीलामी का हिस्सा थे पर उनकी वापसी एक तरह से टीम के कॉम्बिनेशन को भरने के लिए थी। 2019 के फाइनल की आखिरी गेंद पर शार्दुल ठाकुर को आउट कर मुंबई को चौथी बार चैंपियन बनाना उनके मैच विनर होने का सबसे बड़ा सबूत था।

फिल साल्ट (2024 - कोलकाता नाइट राइडर्स)

आईपीएल 2024 की नीलामी में इंग्लैंड के विस्फोटक ओपनर फिल साल्ट को किसी ने नहीं खरीदा था। जब जेसन रॉय ने अपना नाम वापस लिया तो केकेआर ने साल्ट को रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा। साल्ट ने सुनील नरेन के साथ मिलकर ऐसी तूफानी शुरुआत दी कि केकेआर ने उस सीजन का खिताब अपने नाम किया।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया मई से एसआरवाई जीन टेस्टिंग शुरू करेगा

नई दिल्ली ,13 अप्रैल 2026।एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने सभी महिला एथलीटों के लिए एसआरवाई जीन टेस्टिंग ज़रूरी कर दी है, जिसकी शुरुआत मई में रांची में होने वाले नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पिटिशन से होगी। चार दिन का यह कॉम्पिटिशन इस साल के कॉमनवेल्थ गेम्स और एशिया यू-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए फ़ाइनल क्वालिफ़िकेशन ट्रायल भी होगा। ये टेस्ट जून में भुवनेश्वर में होने वाली नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप (एशियन गेम्स के लिए फ़ाइनल क्वालिफ़िकेशन ट्रायल) में भी किए जाएँगे, इसके बाद लुधियाना और नई दिल्ली में क्रमशः यूथ और ओपन नेशनल्स होंगे। कॉम्पिटिशन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए महिला एथलीटों के बायोलॉजिकल सेक्स के वेरिफ़िकेशन के लिए गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल से स्क्रीनिंग की जाएगी।

नगर निगम स्कूल के शिक्षकों के लिए वित्त विभाग ने जारी किया 8 करोड़ 80 रुपये

रायपुर,13 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के नगम निगमों द्वारा संचालित स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। वित्त विभाग ने 8 करोड़ 80 लाख रुपये जारी किया है। लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारी अंबिकापुर, रायगढ़, बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, धमतरी, जगदलपुर, बलौदाबाजार, मुंगेली एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़, को जारी पत्र में लिखा है, वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु नगर निगम शालाओं में कार्यरत् ई. संवर्ग के कर्मचारियों के वेतन भत्तों हेतु आबंटन की स्वीकृति वित्त विभाग से मिल गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट आबंटन की संसूचना जारी की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रावधानित बजट से नगर निगम शालाओं में कार्यरत् ई. संवर्ग के कर्मचारियों के वेतन भत्तों के भुगतान हेतु कुल राशि रु. 8,80,00,000/- के आबंटन की स्वीकृति संलग्न बजट पत्र के अनुसार प्रदान की जाती है। उक्त आबंटन बजट शीर्ष 'मांग संख्या 27 स्कूल शिक्षा 2202 साँमान्य शिक्षा (02) माध्यमिक शिक्षा (104) शिक्षक और अन्य सेवाएँ (7761) शिक्षकों का वेतन 14 सहायक अनुदान 001 स्थापना अनुदान' के अंतर्गत विकलनीय होगा। डीपीआई ने लिखा है, उपरोक्तानुसार जारी आबंटन का आहरण करें, एवं अनुदान नियमों के अंतर्गत नगर निगम शालाओं में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन भत्तों के भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

भारत विश्व के समृद्ध देशों से भी ज्यादा सुखी देश : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर,13 अप्रैल 2026। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में, 'MY Bharat छत्तीसगढ़' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय-स्तरीय 'MY Bharat Budget Quest' का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया अपने संबोधन में, उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया, और प्रतिभागियों को समावेशी विकास तथा सतत विकास की दिशा में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने अपने ओजस्वी संबोधन से युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

बिलासपुर निगम की सामान्य-सभा...
1301 करोड़ से अधिक का बजट पास

बिलासपुर,13 अप्रैल 2026। नगर निगम बिलासपुर की सामान्य सभा में भारी हंगामे के बीच 1301 करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक बजट पास किया गया। सभा में महापौर निधि को लेकर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस पार्षदों ने पूछा कि कहां-कहां विकास कार्यों के लिए पैसा जारी हुआ है। इस पर महापौर पूजा विधानी भड़क उठी। उन्होंने कहा कि पार्षदों को निधि के बारे में पूछने का अधिकार नहीं है। इसके बाद सदन में विवाद बढ़ गया।

बिलासपुर नगर निगम की सामान्य सभा में इस बार 1301 करोड़ रुपए से अधिक का बजट पास किया गया। मेयर पूजा विधानी ने बताया कि यह बजट केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्मार्ट सिटी सुविधाएं, महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। साथ ही सभा में 33% महिला आरक्षण से संबंधित प्रस्ताव पारित कर राज्य शासन को भेजने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पार्षदों को सांसद और विधायक की तर्ज पर आजीवन पेंशन देने, मानदेय बढ़ाने और पार्षद निधि की राशि में वृद्धि करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। क्रिकेट स्टेडियम के लिए 12 एकड़ जमीन देने पर भी सहमति बनी है, जो ग्राम मंगला में बनेगा। बता दें कि क्रिकेट संघ बिलासपुर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के जरिए शहर में क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के लिए निगम से ग्राम मंगला स्थित 12 एकड़ जमीन देने का आवेदन किया था।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 13 साल पुरानी राजस्व उप निरीक्षक की नियुक्ति रद्द

बिलासपुर,13 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बलौदा बाजार-भाटापारा जिले के भाटापारा नगर पालिका परिषद में राजस्व उप निरीक्षक पद पर 2013 में की गई नियुक्ति को निरस्त कर दिया है। अदालत ने माना कि चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई थीं और पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। मामला वर्ष 2012 का है, जब 16 नवंबर को नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा राजस्व उप निरीक्षक (अनारक्षित) पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस पद के लिए स्नातक और पीजीडीसीए अनिवार्य योग्यता निर्धारित की गई थी। भाटापारा निवासी देवेंद्र कुमार साहू ने निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन जब पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी हुई, तो उनका नाम किसी भी सूची में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद 23 मार्च 2013 को नियुक्ति आदेश जारी करते हुए सतीश सिंह चौहान को राजस्व उप निरीक्षक पद पर नियुक्त कर दिया गया। इस निर्णय से असंतुष्ट होकर देवेंद्र कुमार साहू ने अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल के समक्ष हुई। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ईशान सलूजा ने अदालत में तर्क दिया कि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता का आवेदन विधिवत प्राप्त हुआ था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा को दी 308 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात
नक्सलमुक्त बस्तर में विकास की नई गूंज : सीएम साय

रायपुर,13 अप्रैल 2026। नक्सलवाद के प्रभाव से उबरकर नए विश्वास और विकास की राह पर अग्रसर बस्तर क्षेत्र में आज एक महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले को 308 करोड़ रुपए से अधिक के 228 विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने 159 कार्यों का शिलान्यास और 69 कार्यों का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान की। मिनी स्टेडियम सुकमा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 40 वर्षों से नक्सलवाद के कारण पिछड़े रहे क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में बस्तर में शांति स्थापित हुई है और अब यहां विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जिन गांवों में कभी हिंसा और भय का माहौल था, वहां आज स्कूलों की घंटियां गूंज रही हैं और लोग लोकतंत्र पर भरोसा जताते हुए मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 3 हजार से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और उन्हें पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से नई जिंदगी की शुरुआत के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वस्थ बस्तर की दिशा में बड़ा कदम : कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया और 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को घर-घर तक सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की। इस अभियान के तहत 7 जिलों में 1100 टीमें घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच करेंगी। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री साय ने मिनी स्टेडियम में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और आम नागरिकों एवं हितग्राहियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने मौके पर ही विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता सामग्री और प्रमाण पत्र वितरित कर शासन की संवेदनशीलता का परिचय दिया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री ने 7 टीबी मुक्त पंचायतों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और जानकारी ली कि जिले में अब तक 28 पंचायतें टीबी मुक्त हो चुकी हैं। उन्होंने 3 टीबी मरीजों से संवाद कर उन्हें फूड बास्केट वितरित किया। मोतियाबिंद ऑपरेशन कराए मरीजों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चश्मा पहनाकर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की। साथ ही दवा और आई ड्रॉप भी वितरित किए गए।

दीपक बैज बोले- प्रदेश में चल रहा है जंगलराज,भैरमगढ़ में नाबालिग से गैंगरेप पर कांग्रेस ने गृह मंत्री से माफी की मांग की

रायपुर,13 अप्रैल 2026। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ में नाबालिग के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में लगातार बढ़ती दुष्कर्म की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से माफी की मांग करते हुए आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश में 'जंगलराज' जैसी स्थिति बन गई है। बैज ने कहा कि भैरमगढ़ की घटना सिर्फ एक उदाहरण है। दुर्ग, अंबिकापुर और रायपुर समेत कई जगहों पर लगातार रेप की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधों में भाजपा से जुड़े लोगों की संलिप्तता भी सामने आ रही है, जो गंभीर विषय है। भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को उसके ही परिचित ने बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले जाकर अपने साथियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना 11 अप्रैल की रात की बताई जा रही है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अन्य नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में अंकित परबुलिया, लक्ष्मीनाथ लेकाम, सुनील परबुलिया और जातवेद मोड़ियाम शामिल हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)